खास बात

मानसिक अशाँति जब शरीर में घर कर लेती है तो वह शरीर को उसी प्रकार नष्ट कर देती है जिस प्रकार काष्ठ को अग्नि ।

- कुशवाहा कान्त

।। श्री हरिः ।।

नमामि देवी नर्मदे

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN /2004 /13927

वर्ष - 21 अंक - 245

नर्मदापुरम

बुधवार, 18 जून 2025

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

नर्मदापुरम का प्रथम हिन्दी दैनिक

संक्षिप्त समाचार

नगर निगम अधिकारी के यहां पड़ा ईओडब्ल्यू का छापा

इंदौर। इंदौर नगर निगम में वर्षों से उद्यान विभाग का काम देख रहे अधिकारी चेतन पाटिल के यहां आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने छापा मारा है। अधिकारी के यहां बड़ी मात्रा में छुपाई गई संपत्ति का पता चला है। अफसरों की टीम पाटिल के बंगले के अलावा उनके कार्यालय तक भी पहुंची। पाटिल के खिलाफ लंबे समय से भ्रष्टाचार की शिकायत मिल रही थी। मंगलवार सुबह एक टीम ने पाटिल के गुलमोहर कॉलोनी के आवास पर छापा मारा, जबकि दूसरी टीम नगर निगम में उनके कार्यालय पहुंची और केबिन में दस्तावेज खंगाले। पाटिल फिलहाल निगम में सहायक अधीक्षक है। टीम को पता चला है कि पाटिल को अब तक की सेवा में जितनी पगार मिली। उससे अधिक संपत्ति उन्होंने जुटाई है। वर्षों से पाटिल इंदौर नगर निगम में जमे हुए हैं और महत्वपूर्ण पदों पर रहें। चेतन कुछ भाजपा नेताओं के भी करीबी माने जाते हैं। फिलहाल वे सहायक उद्यान अधिकारी के रूप में काम देख रहे हैं। टीम को पाटिल के यहां आय से अधिक संपत्ति मिलने की आशंका है। दोपहर में अफसर पाटिल को लेकर नगर निगम कार्यालय भी पहुंचे और दस्तावेज खंगाले।

एअर इंडिया की कई उड़ानें रद्द, एयरलाइन के संचालन पर असर

शिलांग। एअर इंडिया की कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें मंगलवार को रद्द कर दी गई हैं। इनमें ज्यादातर बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर उड़ानें हैं। यह फैसला उस समय किया गया है, जब 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रहा एक बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह विमान एक मेडिकल कॉलेज के छात्रावास से टकरा गया था। इस हादसे में 241 यात्रियों और चालक दल की मौत हो गई थी।

कोच्चि से दिल्ली जा रहे इंडिगो के विमान को बम की धमकी

नागपुर । केरल के कोच्चि से दिल्ली आ रही इंडिगो के विमान की नागपुर में आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी है। विमान को बम की धमकी मिलने के बाद एहतियातन यह कदम उठाया गया। विमान सुरक्षित तरीके से लैंड कर गया है। यात्रियों को विमान से उतारकर जांच की जा रही है। फिलहाल विमान में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।

अंतर्मना उवाच

सफल व्यक्ति अपने चेहरे पर दो चीज ही रखते हैं.. एक मुस्कुराहट दूसरी खामोशी..!

एक कागज के टुकड़े का मूल्य तब बढ़ जाता है, जब गवर्नर की उस पर मोहर लग जाती है- तो कागज नोट बन जाता है। फिर उसे तोड़ो-मरोड़ो, गंदा करो या जर्जर हो जाये, फिर उसकी कीमत कम नहीं होती।

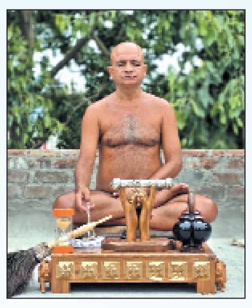

संकट हरण भगवान पार्श्वनाथ जेन मंदिर, राणा प्रताप बाग, अशोक विहार, दिल्ली में दोपहर की सामयिक करते हुए अंतर्मना प्रसन्न सागर जी महाराज

*हमारे जीवन पर भी यदि प्रभु और गुरू के आचरण की मुहर लग जाये तो फिर हमारे जीवन की कीमत कम नहीं हो सकती। **प्रभु और गुरु अनमोल थे, अनमोल है, और अनमोल ही रहेंगे।** ये अलग बात है कि हम उन्हें समझने में बहुत देर कर देते हैं। प्रभु और गुरु की कृपा दिखती नहीं है, लेकिन असंभव को संभव कर देती है और आधे-अधूरे अधमरे जीवन को ऊर्जा से भर देती है। तभी तो कहा है - **गुरु और समुद्र दोनों बहुत गहरे हैं। दोनों की गहराई में जमीन आसमान सा अंतर है।** समुद्र की गहराई में इंसान डूब जाता है और गुरु की गहराई में इंसान तर जाता है। इसलिए **दो बातें मेरी हमेशा याद रखना** -*

??एक - प्रभु और गुरु का दर...

??दूसरा - प्रभु और गुरु का डर...

हमेशा मन में बनाकर रखना।

*एक बात का सदा ध्यान रखना - **तुम्हारे आने ना आने से, नमस्कार- तिरस्कार से, निंदा-प्रशंसा से, प्रभु और गुरु की इज्जत कभी कम नहीं होती।** क्योंकि सोने के हजार टुकड़े भी कर दो, तब भी उसका मोल कम नहीं होता...!!!*

■ **अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज**

जोरदार धमाकों से दहला इजराइल, मिलिट्री इंटेलिजेंस की बिल्डिंग को ईरान ने बनाया निशाना

चीफ ऑफ स्टाफ अली शादमानी को मार गिराया

तेल अवीव ■ ब्यूरो

इजराइल और ईरान के बीच संघर्ष जारी है। ईरान ने मंगलवार को तेल अवीव में इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के हेडक्वार्टर पर हवाई हमला किया। इसके अलावा मिलिट्री इंटेलिजेंस से जुड़ी खुफिया एजेंसी AMAN की बिल्डिंग को भी निशाना बनाया है। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने दावा किया कि उसने ईरान के युद्धकालीन चीफ ऑफ स्टाफ अली शादमानी को मार गिराया है। शादमानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के करीबी थे।

'आईडीएफ' ने 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, 'इंटेलिजेंस ब्रांच की सटीक खुफिया जानकारी और रात के दौरान अचानक मिले मौके के बाद, एयरफोर्स के फाइटर जेट्स ने तेहरान के मध्य में एक हेडक्वार्टर पर हमला किया। इस हमले में युद्धकालीन चीफ ऑफ स्टाफ अली शादमानी को मार गिराया गया, जो ईरानी नेता अली खामेनेई के सबसे करीबी और सबसे वरिष्ठ सैन्य कमांडर थे।' शादमानी ईरान की खतम-अल-अनबिया हेडक्वार्टर्स यानी सैन्य आपात कमान के हेड थे। उन्होंने 4 दिन पहले ही यह पद संभाला था। उन्हें 13 जून को इजराइली हमले में मारे गए मेजर जनरल गुलाम अली राशिद की जगह यह जिम्मेदारी दी गई थी। राशिद की मौत पिछले शुक्रवार को हुई थी। इजराइली हमलों में अब 224 ईरानी मारे जा चुके है, जबकि 1,481 लोग घायल हुए हैं। वहीं, इजराइल में अब तक 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 600 से ज्यादा घायल हैं।

आईडीएफ ने दावा किया है कि मारे गए ईरानी अधिकारी के नेतृत्व में काम कर रहा 'खातेम अल-अनबिया' इमरजेंसी कमांड और हमलों को लेकर बनाई योजनाओं को मंजूरी देने के लिए जिम्मेदार था।

गाजा में भोजन की कतार में खड़े 45 लोगों को इजरायली टैंकों ने मार डाला

गाजा। हमास द्वारा संचालित गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि गाजा पट्टी के दक्षिणी शहर खान यूनिस में इजरायली टैंकों की गोलाबारी में कम से कम 45 फलस्तीनी नागरिक मारे गए हैं और सैकड़ों अन्य घायल हुए हैं। मंत्रालय के अनुसार, यह हमला तब हुआ जब लोग अल-तहलिया चौराहे पर भोजन जैसी मानवीय सहायता लेकर आ रहे ट्रकों का इंतजार कर रहे थे।

मध्यप्रदेश में 9 साल बाद कर्मचारी-अधिकारियों को मिलेगा प्रमोशन

मोहन कैबिनेट का बड़ा फैसला, 4 लाख को लाभ, 2 लाख पद भरेंगे

भोपाल ■ प्रतिनिधि

किसान कर्मचारी और जनता के हित में हुए फैसले

मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में कैबिनेट बैठक हुई। बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। प्रदेश के कर्मचारियों-अधिकारियों के 9 वर्ष से लंबित पदोन्नति के मामले का निराकरण किया गया। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक की जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार ने कर्मचारियों, किसानों और आम जनता के लिए कई बड़े फैसले लिए हैं।

पदोन्नति के लिए अपात्रता का स्पष्ट निर्धारण किया गया है। किन परिस्थितियों में कोई लोक सेवक अपात्र होगा एवं दण्ड का क्या प्रभाव होगा यह स्पष्ट रूप से लेख किया गया है। किसी भी विभागीय पदोन्नति समिति बैठक के सन्दर्भ में निर्णय के पुनर्विलोकन हेतु रिव्यू डी.पी. सी. की बैठक आयोजित किये जाने के लिए स्पष्ट प्रावधान किये गए हैं। नवीन पदोन्नति नियमों में परिभ्रमण की व्यवस्था समाप्त की गई है। इससे पदोन्नति हेतु अधिक पद हो सकेंगे। पदोन्नति समिति को शासकीय सेवक की उपयुक्तता निधर्धारण करने का अधिकार दिया गया है। चतुर्थ श्रेणी के लिये अंक व्यवस्था नहीं होगी, केवल पदोन्नति के लिए उपयुक्त होने पर ही पदोन्नति प्राप्त हो सकेगी। अर्हकारी सेवा के लिए किसी वर्ष में की गई आंशिक सेवा को भी पूर्ण वर्ष की रोवा माना जायेगा, यदि वर्ष के एक भाग की सेवा भी की गई है तो उसे पूर्ण वर्ष की सेवा माना जाएगा। यदि किसी वर्ष में 6 माह का ही गोपनीय प्रतिवेदन उपलब्ध है तो उसे पूर्ण वर्ष के लिए मान्य किया जा सकेगा।

यदि गोपनीय प्रतिवेदन उपलब्ध नहीं होने के कारण किसी की पदोन्नति रुकती है तो उसे पदोन्नति प्राप्त होने पर पूरी वरिष्ठता दी जाएगी। अप्रत्याशित रिक्तियों को घरान सूची/प्रतीक्षा सूची से भरे जाने का स्पष्ट प्रावधान किया गया है। प्रतिनियुक्ति पर भेजे गए शासकीय सेवक के पद के विरुद्ध पदोन्नति का प्रावधान किया गया है।

कैबिनेट में ये फैसले भी हुए

- आरक्षित वर्गों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित कर उनके हितों को संरक्षित किया।
- अनुसूचित जनजाति के लिए 20 प्रतिशत और अनुसूचित जाति के लिए 16 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है।
- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लोकसेवकों को भी मेरिट के आधार पर पदोन्नति प्राप्त करने का अवसर दिया गया है।
- वर्तमान वर्ष में ही आगामी वर्ष की रिक्तियों के लिए पदोन्नति समिति की बैठककर चयन सूची बनाये जाने का प्रावधान किया गया है अर्थात अग्रिम डी.पी.सी. के प्रावधान किए गए हैं।
- पदोन्नति के सूत्र में वरिष्ठता का पर्याप्त ध्यान रखा गया है
- वरिष्ठ लोकसेवकों में से मेरिट के अनुसार न्यूनतम अंक लाने वाले लोकसेवक पदोन्नति हेतु पात्र होंगे, प्रथम श्रेणी के लोकसेवकों के लिए merit cum seniority के प्रावधान किया गया है।
- पदोन्नति के सूत्र में कार्यदक्षता को प्रोत्साहित किया जाना लक्षित है।

योग दिवस पर भोपाल में होगा 21 जून को राज्य स्तरीय कार्यक्रम

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि योग शरीर का रोग मिटाकर इसे विकार मुक्त करता है। स्वस्थ काया के लिए सबको रोज योग करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर पुरातन योग पद्धति को अब अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिल चुकी है और इसीलिए सिर्फ भारत में नहीं, वरन् पूरे विश्व में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के 21 जून को होने वाले आयोजन की तैयारी को लेकर समीक्षा कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पूरे हर्षोल्लास और मनोयोग से मनाया जाए। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार इस दिन वर्षा की आशंका को देखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को राज्य स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम के लिए ऐसे स्थल का चयन करने के निर्देश दिए, जो ऊपर से कवर्ड (शेडयुक्त) हो और उसमें अधिकतम प्रतिभागी भाग ले सकें।

पीएम मोदी की यात्रा से भारतीय समुदाय में उत्साह

जी-7 शिखर सम्मेलन में बोले- यह कनाडा-भारत संबंधों में नया अध्याय

ओटावा ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कनाडा दौरे पर हैं। पीएम मोदी की कनाडा यात्रा को लेकर भारतीय समुदाय में खासा उत्साह है। लोग पीएम मोदी की यात्रा को लेकर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। उनका कहना है कि यह कनाडा-भारत संबंधों में एक नया अध्याय है।

विवेकानंद योग विश्वविद्यालय के रघु बेंगलुरु का कहना है कि वह पीएम मोदी की कनाडा यात्रा से बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में हमारे रिश्तों में तनाव था, लेकिन अब सब कुछ पीछे छूट गया है। उन्होंने कहा कि हम भारत और कनाडा के बीच फिर से नई ऊर्जा वाली साझेदारी की उम्मीद कर रहे हैं। दोनों देशों के पास एक-दूसरे को देने के लिए बहुत कुछ है। वहीं, व्यवसायी रमन खटरा ने कहा कि पीएम मोदी की इस यात्रा से दोनों देशों के बीच व्यापार के लिए एक बड़ा अवसर दिखाई दे रहा है।

ट्रूडो के पीएम रहते रिश्ते सामान्य होने का कभी नहीं सोचा था: मलिक

कनाडा-भारत फाउंडेशन के अध्यक्ष रितेश मलिक का कहना है कि पिछले दो वर्षों में दोनों देशों के बीच जो कुछ हुआ, उसको देखते हुए पीएम मोदी की यह यात्रा बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि जस्टिन ट्रूडो के प्रधानमंत्री रहते हुए, हमने कभी नहीं सोचा था कि रिश्ते सामान्य हो जाएंगे। प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने दुनिया के सबसे सम्मानित और प्रिय नेता को आमंत्रित करके सही काम किया। उन्होंने कहा कि भारत-कनाडा द्विपक्षीय व्यापार बहुत कमजोर प्रदर्शन कर रहा है। प्राकृतिक संसाधनों के मामले में कनाडा सबसे समृद्ध है, और भारत को अपनी बढ़ती आबादी के साथ इसकी आवश्यकता है। अगर सही तरीके से काम किया जाए, तो दोनों देशों के बीच व्यापार की अपार, असीमित संभावनाएं हैं।

भारत से बेहतर कोई बाजार नहीं

मलिक ने आगे कहा कि अमेरिका के साथ जो कुछ हो रहा है, उसके बाद कनाडा वैकल्पिक बाजारों की तलाश कर रहा है। भारत से बेहतर कोई बाजार नहीं है। कनाडा में कुछ अतिवादी तत्वों द्वारा विदेशी हस्तक्षेप को भारतीय-कनाडाई समुदाय के खिलाफ हथियार बनाया जा रहा है।

शिलांग पुलिस पहुंची इंदौर, सोनम के फ्लैट पर ली तलाशी में खुलेंगे राज

इंदौर ■ एजेंसी

राजा रघुवंशी मर्डर केस में महत्वपूर्ण सबूत जुटाने के लिए शिलांग पुलिस इंदौर आई। वह देवास नाका क्षेत्र के उस फ्लैट में भी पहुंची, जहां सोनम ने दस से ज्यादा दिन गुजारे थे। टीम को फ्लैट से ज्यादा कुछ नहीं मिला। शिलांग पुलिस की टीम अपने साथ किसी आरोपी को लेकर साथ नहीं आई, लेकिन पूछताछ के दौरान आरोपियों ने उन्हें जो जानकारी दी। उसकी कड़ी जोड़ने और उससे जुड़े सबूत एकत्र करने टीम इंदौर आई है।

शिलांग पुलिस राजा और सोनम के घर भी जाएगी और परिजनों से पूछताछ भी करेगी। पुलिस ने सोनम के भाई गोविंद को भी शिलांग पुलिस ने बुलाया है। शिलांग में हत्या के बाद सोनम रघुवंशी इंदौर आ गई थी। वह कुछ दिन राज के घर रुकी थी। फिर देवास नाका के फ्लैट में दस से ज्यादा दिन रुकी। फ्लैट विशाल ने लिया था। राजा के परिजनों ने भी कहा कि उन्हें शिलांग पुलिस के इंदौर आने की जानकारी मिली है। सोनम ने 7 जून को फ्लैट छोड़ दिया था। तब उसने फ्लैट में रुकने के सबूत भी मिटा दिए थे।

चीन में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट में 9 की मौत, 26 घायल

नई दिल्ली। मध्य चीन में एक पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट होने से नौ लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गए। आधिकारिक मीडिया ने मंगलवार को बताया कि यह विस्फोट सोमवार को हुनान प्रांत के लिनली काउंटी में हुआ। सरकारी मीडिया प्लेटफॉर्म पर वीडियो में फैक्ट्री साइट से उठते धुएं के घने गुबार के बाद भीषण विस्फोट दिखाया गया। विस्फोट से आस-पास की इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा, जहां लोग गिरते मलबे से बचने के लिए छिपने के लिए भागते नजर आए।

प्रदेश में सात जुलाई से होगी मूंग की एमएसपी पर खरीदी, भोपाल में सितंबर में दौड़ेगी मेट्रो

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक हुई। बैठक की शुरुआत से पहले मुख्यमंत्री ने मंत्रियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य शासन द्वारा किसानों के हित में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर मूंग और उड़द की खरीदी का निर्णय लिया गया है। प्रदेश के 36 मूंग उत्पादक जिलों में 8682 रुपये प्रति क्विंटल की दर से मूंग और 13 उड़द उत्पादक जिलों में 7400 रुपये प्रति क्विंटल की दर से उड़द की खरीदी की जाएगी। किसान 19 जून से 6 जुलाई तक पंजीयन करा सकेंगे, इसके बाद 7 जुलाई से 6 अगस्त तक उपार्जन किया जाएगा।

27 जून को रतलाम में रोजगार पर समिट- मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में निवेश प्रोत्साहन के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित हैं। इस क्रम में गंगा दशमी के अवसर पर उज्जैन में वैलनेस पर केंद्रित वृहद आयोजन संपन्न हुआ। इसी क्रम में 27 जून को 'एमएसएमई-डे' पर रतलाम में क्षेत्रीय उद्योगों और रोजगार पर समिट आयोजित की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भोपाल मेट्रो के प्रथम चरण का लोकार्पण सितंबर में करने की समय-सीमा तय है। भोपाल मेट्रो के लोकार्पण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अनुरोध किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाड़ली बहनों को रक्षाबंधन के अवसर पर 250 रुपये राशि का अतिरिक्त रूप से भुगतान किया जाएगा।

भारतीयों की जॉर्जिया-पश्चिम एशिया से होगी देश वापसी

आर्मीनिया बॉर्डर होते हुए युद्धग्रस्त ईरान से 110 भारतीयों का पहला जत्था निकला

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इजराइल-ईरान संघर्ष के चलते मंगलवार को अपने पांचवे दिन में दाखिल हो गया है. सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात को दोनों देशों एक-दूसरे पर ताबड़तोड़ मिसाइलें दागी. इसी बीच भारत ने ईरान में फंसे अपने नागरिकों को निकालने के लिए मिशन रेस्क्यू शुरू कर दिया है.

110 भारतीयों का पहला जत्था ईरान से आर्मीनिया पहुंच गया है, जहां से इन सभी लोगों को भारत वापस लाया जाएगा. इसके अलावा भारत के विदेश मंत्रालय ने ईरान और इजरायल में रह रहे भारतीय नागरिकों को लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं.

इसे पहले कनाडा में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन में भाग ले रहे नेताओं ने एक संयुक्त बयान जारी कर मिडिल ईस्ट संकट पर चिंता जताई है. जी7 नेताओं ने ईरान को लेकर तनाव कम करने की अपील की है और स्पष्ट किया कि इजरायल को अपनी आत्मरक्षा का पूरा अधिकार है. बयान में यह भी कहा गया कि जी7 देशों का रुख हमेशा से साफ रहा है कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर सकता. इसके अलावा जी7 नेताओं ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया.

ईरान-इस्राइल के बीच बढ़े सैन्य तनाव के बीच भारतीय विदेश मंत्रालय ने ईरान-इस्राइल संघर्ष को देखते हुए ईरान से कश्मीरी समेत सभी भारतीय छात्रों को सुरक्षित लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। तीन विश्वविद्यालयों के छात्रों को फिलहाल सुरक्षित जगह पहुंचाया गया है। अन्य छात्रों को भी स्थानांतरित किया जा रहा है। ईरान में करीब डेढ़ हजार कश्मीरियों समेत दस हजार भारतीय छात्र हैं। अधिकतर छात्र मेडिकल की पढ़ाई के लिए वहां गए हैं। सरकारी सूत्रों ने बताया कि ईरान का हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण छात्रों को आर्मेनिया के रास्ते निकाला जा रहा है। आर्मेनिया से छात्रों को जॉर्जिया और फिर पश्चिम एशिया के रास्ते भारत लाया जा सकता है। 110 विद्यार्थियों का पहला दल आर्मेनिया सीमा पर पहुंच चुका है।

हैदराबाद से जबलपुर लाए गए 11वें घोड़े की मौत

जबलपुर। हैदराबाद से जबलपुर लाए गए घोड़ों की मौत का सिलसिला जारी है। सोमवार को घोड़ा नंबर 052 ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जिससे मृत घोड़ों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। 57 घोड़ों में से अब केवल 46 ही जिंदा बचे हैं। इन्हें पशु चिकित्सा विभाग की निगरानी में रखा हुआ है। इस मामले को लेकर हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका पर जल्द सुनवाई हो सकती है। जबलपुर निवासी सिमरन ईसर ने मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में याचिका दायर कर घोड़ों को सुरक्षित स्थान पर रखने की मांग की है।

भाभा विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

भोपाल ■ निसं

भाभा विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय द्वारा रिसर्च मेथेडोलॉजी विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। डॉ दिवाकर सिंह डायरेक्टर रिसर्च एंड डेवलेपमेंट,क्राइस्ट कॉलेज सेमिनार के मुख्य वक्ता थे। डॉ दिवाकर सिंह ने सभी विद्यार्थियों को शोध पद्धति पर पीपीटी के माध्यम से उपयोगी जानकारी प्रदान की। विशेषत: एम एड के विद्यार्थियों के लिए ये सेमिनार अत्यंत लाभदायक रहा। कार्यक्रम का संचालन संकाय की डॉ लता मालवीय द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ दिलीप कुमार डे, प्रति कुलपति डॉ एन के अग्रवाल, सी ए ओ श्री विजय कुमार पुंज, डायरेक्टर डॉ दीपा बख्शी उपस्थित रहे। सेमिनार की संयोजक एवं शिक्षा विभाग की अधिष्ठाता डॉ कविता पड़ेगांवकर ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। विश्वविद्यालय के सीईओ श्री प्रसाद पिल्लई ने कार्यक्रम की सफलता पर सभी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित की।

साइबर पुलिस ने लड़कियों के लिए जारी की एडवाइजरी

फर्जी प्रेमजाल में फंसाकर युवतियों को बनाते हैं शिकार

भोपाल ■ निसं

मध्य प्रदेश में बढ़ रहे लव जिहाद के मामलों के बाद राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय प्रदेश ने छात्राओं और महिलाओं के लिए एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में बताया गया है कि कैसे फर्जी प्रेमजाल में फंसाकर युवतियों को नशा, यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग का शिकार बनाया जा रहा है। खासकर सोशल मीडिया के जरिए लड़कियों को अपराधी अपने जाल में फंसा रहे हैं।

साइबर पुलिस की एडवाइजरी के मुताबिक अपराधी स्कूल, कॉलेज या कोचिंग सेंटर में पढ़ने वाली छात्राओं से सोशल मीडिया पर दोस्ती करते हैं। कई बार वे पर्सनली भी मिलकर कनेक्ट होने की कोशिश करते हैं। ऐसे लोग खुद को रईस और फैशनेबल दिखाते हैं। लग्जरी कार, महंगे मोबाइल और अच्छी लाइफस्टाइल दिखाकर लड़कियों को झांसे में लेते हैं।

एडवाइजरी के मुख्य बिंदु: साइबर पुलिस की एडवाइजरी में कहा गया है कि आपत्तिजनक फोटो/वीडियो मोबाइल में न रखें। अनजान से सोशल मीडिया पर दोस्ती न करें। दिखावटी लक्जरी लाइफस्टाइल के झांसे में न आएं। ऑनलाइन दोस्त से अकेले न मिलें। घटना होते ही 1930 पर थाने या में शिकायत करें।

वीडियो से ब्लैकमेलिंग कर बनाते हैं दबाव: वीडियो और अश्लील फोटो के जरिए युवतियों को ब्लैकमेल किया जाता है। अपराधी दूसरी लड़कियों को भी साथ लाने का दवाब बनाती है। इसके बाद उन पर भी यही दोहराया जाता है। कई मामलों में महिलाओं पर शादी और धर्मांतरण का दबाव भी बनाया गया है। यहां तक कि उन्हें देह व्यापार में भी धकेला जा सकता है।

महिलाएं भी गिरोह में रहती हैं शामिल

इन फर्जी प्रेमियों के साथ कई बार गिरोह की महिलाएं भी होती हैं। पीड़िता का भरोसा जीतने में ये महिलाएं ही मदद करती हैं। शुरुआत में उनका व्यवहार हेल्पिंग होता है। यही कारण है कि लड़कियां उनपर जल्दी विश्वास कर लेती हैं। अपराधी युवतियों को पब, होटल या ढाबों में लेकर जाते हैं, जहां नशे की लत लगाने की कोशिश की जाती है। नशे की हालत में उनके साथ यौन शोषण किया जाता है। यह भी बताया गया है कि इन जगहों पर छिपाकर कैमरे लगाए जाते हैं। कैमरों से लड़कियों के वीडियो रिकॉर्ड किए जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

अवैध गैस रिफिलिंग सेंटर पर खाद्य विभाग की रेड

भोपाल। राजधानी भोपाल के पुष्पा नगर क्षेत्र में अवैध गैस रिफिलिंग सेंटर की सूचना मिलने पर खाद्य विभाग ने कार्यवाही करते हुए यहां से सवा लाख कीमत के करीब 38 सिलेंडर, रिफिलिंग मशीन जब्त की है। यहॉ स्थित रमेश शर्मा के मकान में घरेलू से कमर्शियल गैस सिलेंडर में गैस रिफिलिंग की जा रही थी। बताया जा रहा है कि कमर्शियल सिलेंडर में रिफिलिंग का यह नया मामला है। मिली जानकारी के मुताबिक शिकायत मिलने पर यह रिफिलिंग सेंटर विभागीय टीम की राडार पर था। मंगलवार को सही मौका नजर आते ही टीम ने घर के अंदर दबिश दी। यहॉ से 16 कमर्शियल सिलेंडर, 22 घरेलू सिलेंडर, 2 वेट मशीन, 1 डेढ़ हॉर्स पावर की गैस अंतरण की मशीन सहित अन्य सामान जब्त किया गया है। यहां पर घरेलू सिलेंडर से व्यवसायिक गैस सिलेंडर में गैस रिफिलिंग का कार्य किया जा रहा था। अधिकारियो ने बताया की कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देश पर जिला आपूर्ति नियंत्रक चंद्रभान सिंह जादौन और टीम ने यह कार्रवाई की। सहायक आपूर्ति अधिकारी संदीप भार्गव, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी पुष्पराज पाटील, सफदर खान, मयंक द्विवेदी समेत अन्य अधिकारी भी कार्रवाई में शामिल रहे।

हथियार लेकर जुए के अड्डे पर जा रहे बदमाशो को पुलिस ने दबोचा

भोपाल। टीला पुलिस ने शाहजहॉनाबाद थाना इलाके के आदतन बदमाश को उस समय गिरफ्तार कर लिया जब वह धारदार हथियार लेकर जुए के अड्डे पर जा रहा था। पुलिस ने एक अन्य बदमाश को भी कार्यवाही के दौरान दबोचा है। थाना प्रभारी टीला डीपी सिंह ने जानकारी देते हुए बताया की इलाके में जुए-सट्टे पर अंकुश लगाने के लिये संदिग्ध व्यक्तियो की चैकिंग की जा रही थी। इसी दौरान सुबह करीब 6 बजे हरि मजार और पुतलीघर के पास दो युवको को चैकिंग के लिये रोका गया तो वह भागने लगे। टीम ने घेराबंदी कर उन्हें पकडकर पूछताछ की जिसमें उनकी पहचान जुनेद उर्फ बच्चा पिता नवेद उर्फ अच्छे मिया (25) निवासी सेफिया कालेज रोड थाना शाहजहॉनाबाद स्थाई पता मुरली नगर करोंद थाना निशातपुरा और सोनू उर्फ भूरा पिता स्व. पप्पू उर्फ राकेश सहेले (29) निवासी कवीटपुरा थाना टीलाजमालपुरा के रुप में हुई। तलाशी लेने पर बदमाश जुनेद के पास धारदार छुरी रखी मिली। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट का मामला कायम किया गया। बदमाशो ने पूछताछ में बताया की वह हरी मजार के पास जुए खेलने जा रहे थे। गिरफ्तार बदमाश.जुनेद उर्फ बच्चा के खिलाफ भोपाल के थाना निशातपुरा, कोहेफिजा, शाहजहॉनाबाद, गौतमनगर, गोविन्दपुरा, हनुमानगंज, टीलाजमालपुरा सहित बलकबाडा खरगोन में 17 अपराधिक मामले दर्ज है। वहीं सोनू उर्फ भूरा के खिलाफ थाना टीटी नगर, गौतमनगर, हबीबगंज, टीलाजमालपुरा में पॉच मामले दर्ज है।

आदमपुर खंती में आज से लगेगा मेडिकल कैंप

भोपाल। आदमपुर खंती डंपिंग साइट के आसपास रहने वाले लोगों के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर, स्वास्थ्य विभाग 18 जून से 26 जून 2025 तक पडरिया काछी गांव में एक मेडिकल चेकअप कैंप का आयोजन कर रहा है। यह शिविर डंपिंग साइट के आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों की सेहत पर पडने वाले संभावित प्रभावों को देखते हुए आयोजित किया जा रहा है। डंपिंग साइट से निकलने वाले प्रदूषण के कारण इन क्षेत्रों में सांस संबंधी बीमारियां, त्वचा रोग और अन्य सेहत से जुड़ी समस्याएं होने की आशंका रहती है।

पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने की कवायद

गांवों में रहने वालों को भी देना होगा टैक्स

भोपाल ■ निसं

नगरीय निकायों की तरह अब गांवों में रहने वाले लोगों को भी विभिन्न प्रकार के टैक्स देने पड़ेंगे। यह पंचायतों को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाने की कवायद का हिस्सा है। दरअसल, सरकार का फोकस इस बात पर हैं कि प्रदेश के गांवों को भी शहरों की तरह सर्वसुविधायुक्त बनाया जाए। गांवों में अच्छी सडक़ें, अच्छे स्कूल, पीने के शुद्ध पानी, स्वच्छता आदि पर फोकस किया जा रहा है। इन सारी व्यवस्थाओं के लिए भोपाल जिले में नगर निगम की दर्ज पर 222 ग्राम पंचायतों में इस साल चार प्रमुख कर अधिरोपित किए गए हैं। जल्दी ही इसकी वसूली शुरू होगी। अभी तक ऐसे कर नगरीय निकायों में थे। पंचायत में करों का जो स्लैब है वह है संपत्ति कर- 200 रुपये वार्षिक प्रति एक लाख रुपये मूल्य की संपत्ति पर। व्यावसायिक कर1400 रुपये वार्षिक, जल कर 60 से 100 रुपये प्रतिमाह और स्वच्छता कर 50 रुपये प्रतिमाह।

गौरतलब है कि करीब 3 साल पहले पंचायत में संपत्ति जल और स्वच्छता कर लेने की शुरुआत की गई थी लेकिन विधानसभा चुनाव से पहले टैक्स कलेक्शन पर रोक लगा दी गई थी। उसे समय तक 222 पंचायत से करीब ढाई करोड़ रुपए कर के रूप में वसूल किए गए थे। एक बार फिर से यह वसूली जिले में शुरू करवा दी गई है। जिले में जब योजना शुरू की गई थी उसे समय 187 ग्राम पंचायती थी वर्तमान में यह बढक़र 222 पहुंच गई है इनमें 614 गांव आते हैं। प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग दीपाली रस्तोगी का कहना है कि नियम तो हैं पर अभी स्वकराधान के मामले में पंचायतें पीछे हैं। सबको प्रेरित किया जा रहा है कि वे न केवल टैक्स लगाएं बल्कि लोगों को इसे चुकाने के लिए जागरूक भी करें ताकि इसका उपयोग विकास कार्यों में किया जा सके।

विकास कार्य में खर्च होगी यह राशि: विकास कार्यों के लिए खुद का फंड नहीं होने के कारण पंचायतें विकास कार्यों के लिए दूसरी निधियां के भरोसे रहती हैं। ऐसे में पंचायत को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और विकास कार्यों को गति देने के लिए पंचायत में टैक्स कलेक्शन की शुरुआत हुई थी। इसके पीछे सोच यह थी कि गांव में प्रॉपर्टी टैक्स का कलेक्शन होने से पंचायत का खुद का फंड होगा। इससे वह विकास के काम कर सकेंगी।

पंचायत राज अधिनियम में कराधान का प्रविधान

प्रदेश में पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए पंचायत राज अधिनियम में ही स्वकराधान का प्रविधान किया गया है। वर्ष 2022 में इसकी दरें पुनरीक्षित की गईं। प्रदेश की 23 हजार 11 ग्राम पंचायतों में से लगभग 18 हजार पंचायतें तो ऐसी हैं जो टैक्स नहीं वसूल रही हैं। केवल शहरों या कस्बों से सटी पंचायतों में ही। में ही टैक्स वसूला जा रहा है। यह भी वर्ष भर में साढ़े चार करोड़ रुपये के आसपास ही है। इसमें से भोपाल में अकेले तीन करोड़ की वसूली है। सीईओ जिला पंचायत भोपाल इला तिवारी का कहना है कि जिले की सभी 222 ग्राम पंचायतों में जल, स्वच्छता, संपत्ति, व्यावसायिक कर सहित अन्य करों की वसूली का काम शुरू किया जाएगा। इसके लिए महिला स्वसहायता समूह की 444 टैक्स सखियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

महिलाओं के हाथ में कर वसूली

भोपाल ने वर्ष 2022 में पहली बार प्रायोगिक तौर पर पंचायतों में कर प्रणाली शुरू की थी। मार्च 2023 तक जिले की पंचायतों में जल कर, स्वच्छता कर और संपत्ति कर वसूल भी किया। तब एक साल में कुल तीन करोड़ 17 लाख 53,673 रुपये की वसूली हुई थी। बाद में इसे बंद कर दिया गया। बताया गया कि त्रिस्तरीय पंचायत और विधानसभा चुनाव को लेकर जनप्रतिनिधियों के दबाव में इसे बंद करना पड़ा। चुनाव के बाद इसके बकाए हिस्से की वसूली फिर से की गई। अब नए सिरे से कर निर्धारण कर वसूली प्रक्रिया स्थायी तौर पर शुरू की जा रही है। इसमें पहली बार व्यावसायिक गतिविधियों पर कर लगाया गया है। अधिकारियों का कहना है कि पंचायतों के पास इसकर से अपनी निधियां तैयार होंगी। इसका उपयोग स्थानीय जरूरतों के अनुसार विकास कार्यों के संचालन मेंहो सकेगा। खुद का फंड नहीं होने के कारण पंचायतें विकास कार्यों के लिए दूसरी निधियों के भरोसे रहती हैं। 222 ग्राम पंचायतों में सभी तरह की कर वसूली का जिम्मा 444 कर सखियों के हाथों में सौंपा गया था। इन सखियों को कर वसूली करने से पहले प्रशिक्षण दिया गया था और हर पंचायत में दो-दो सखियां इस काम में लगाई गई थी।

ऑपरेशन उपलब्ध के तहत रेलवे ई-टिकट रैकेट का भंडाफोड़, 1.62 लाख के टिकट जब्त

भोपाल ■ निसं

मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, रेलवे सुरक्षा बल, भोपाल के निर्देशन में भोपाल मंडल पर ऑपरेशन उपलब्ध के अंतर्गत एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। यह कार्रवाई साइबर अपराधों की रोकथाम एवं रेलवे टिकट प्रणाली की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने बताया कि साइबर सेल भोपाल से प्राप्त इनपुट के सत्यापन के उपरांत 17 जून 2025 को उपनिरीक्षक प्रकाश रघुवंशी व उनकी टीम द्वारा भोपाल निवासी शाहबाज़ ख़ान (उम्र 19 वर्ष) को नेहरू नगर, सिकंदरी सराय, भोपाल से गिरफ्तार किया गया।

आरोपी के कब्जे से 22 विभिन्न व्यक्तिगत यूजर आईडी का उपयोग कर तैयार किए गए कुल 75 आरक्षित ई-टिकट (कुल कीमत 1,62,501/-) जब्त किए गए। इसके साथ ही टिकट निर्माण में प्रयुक्त एक मोबाइल फोन भी बरामद किया गया। संपूर्ण कार्रवाई की वीडियोग्राफी कराई गई तथा संबंधित प्रकरण में अपराध के अंतर्गत रेल अधिनियम की धारा 143 के तहत मामला दर्ज कर विधिवत जांच प्रारंभ की गई है।

आरोपी का पता प्रमाणित है एवं आरोप सिद्ध होने पर दंड सात वर्ष से कम का है, अत: माननीय सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए आरोपी को सूचना पत्र के माध्यम से आगामी न्यायालय तिथि पर उपस्थित होने के निर्देश देकर पाबंद किया गया।

रेलवे प्रशासन यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और टिकट प्रणाली की शुद्धता बनाए रखने हेतु प्रतिबद्ध है एवं इस प्रकार की अवैध गतिविधियों के विरुद्ध कड़ी निगरानी और कार्यवाही निरंतर जारी रखेगा।

कथित गौ-तस्करी के शक में बेरहमी से पीटे गये दो मुस्लिम युवकों में से एक की मौत

दूसरा वेंटीलेटर पर, भोपाल में डेरी चलाता था मृतक

भोपाल ■ निसं

राजधानी भोपाल के नजदीक रायसेन जिले में कथित गौ-तस्करी के शक में मेगांव के पास दो मुस्लिम युवकों के साथ जमकर की गई मारपीट में घायल एक युवक जुनेद की भोपाल के हमीदिया अस्पताल में मौत हो गई। वहीं उसके साथ मौजूद दूसरा युवक अरहम की हालत भी गंभीर बनी हुई है, उसका भोपाल के ही निजी अस्पताल में उपचार जारी है। परिजनों ने बजरंग दल के कार्यकर्ताओं पर हमले का आरोप लगाया है।

मिली जानकारी के मुताबिक मृतक जुनेद मूल रुप से सिरोंज का रहने वाला था, और अस्पताल में भर्ती घायल अरहम श्यामपुर का रहने वाला है। परिवार वालो ने बताया की जुनेद पिछले दो साल से भोपाल में रहकर जिंसी इलाके में डेरी का संचालन करता था और विदिशा में दूध के व्यवसाय से जुड़ा था। परिजनो ने आगे कहा की जुनेद डेरी के लिए नियमित रूप से गाय खरीदता था, वो विदिशा में डेरी के लिए पांच गाय खरीदने गए थे। दोनो धनोरा से सिरोंज के लिए 6 गाय खरीदकर ला रहे थे।

आरोप है कि 4-5 जून की दरम्यानी रात को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने उन्हें गायो से भरी गाड़ी सहित मेगांव में रोककर 20-25 लोगों ने दोनों के साथ रात भर जमकर मारपीट की। परिवार वालो को दोनों युवक 24 घंटे बाद विदिशा अस्पताल में मिले। इसके बाद जुनेद को हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। वहीं अरहम अभी वेंटिलेटर पर है, और उसकी हालत भी बेहद चिंताजनक बनी हुई है। घटना को लेकर रायसेन पुलिस अफसरो का कहना है की घटना 5 जून की देर रात की है, जिसमें 10 से 15 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर किया है, और अब तक तीन लोगों की गिरफ्तारी हुई है, जिनमें विदिशा निवासी ध्रुव चतुर्वेदी, गगन दुबे और रामपाल राजपूत निवासी, करारिया के नाम शामिल हैं।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था युवक का तलवार लहराते हुये वीडियो, पुलिस ने निकाला जुलूस

भोपाल। तलैया थाना पुलिस ने बीते दिन सोशल मिडिया पर तलवाल लहराते हुए वायरल वीडियो पर संज्ञान लेते हुए आरोपी को धारदार तलवार सहित गिरफ्तार कर उसका जुलूस निकाला। थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार-मंगलवार की देर रात सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो में एक युवक इतवारा इलाके में धारदार तलवार लहराते हुए दहशत फैला रहा था। वायरल वीडियो पर तत्काल संज्ञान लेते हुए रात को ही टीम उसकी धरपकड़ में जुट गई। मुखबिर से मिली सूचना पर टीम ने केवेड के बाग इलाके से करीब आधी रात को आरोपी शोयब कुरैशी पिता सलीम (35) को धारदार तलवार सहित पकड़ लिया। पुलिस ने उसके खिलाफ मामला कायम कर गिरफ्तार करते हुए क्षेत्र में उसका जुलूस निकाला।

जेएनसीटी प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

भोपाल ■ निसं

भोपाल करोंद स्थिति कॉलेज में इस अवसर पर प्लास्टिक प्रदूषण का अंत विषय पर समापन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद , भोपाल के अनुदान से संपन्न हुआ।

समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. निपुण सिलावट रहे, जिन्होंने युवाओं से पर्यावरण संरक्षण के लिए ठोस प्रयास करने का प्रेरणा दी । कार्यक्रम की अध्यक्षता पूनम चौकसे, चेयरपर्सन, JNCT प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी ने की। उन्होंने संस्थान द्वारा चलाए जा रहे हरित पहल एवं नवाचारों पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों द्वारा नारा लेखन , निबंध लेखन एवं पोस्टर निर्माण प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया गया। विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. मोहित पाण्ड्या एवं विभिन्न विभागों के प्राचार्यगण, शिक्षकगण, एवं छात्रगण की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को अत्यंत सफल एवं प्रेरणादायक बनाया। समारोह का उद्देश्य पर्यावरणीय चेतना को जागृत कर युवाओं को प्रकृति संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाना रहा।

युवती ने पहले कहा मर्जी से गई थी साथ, फिर बोली अपहरण कर बंधक बनाकर किया रेप

भोपाल ■ निसं

बैरसिया थाना इलाके में एक युवती बीते दिनों अपने घर से संदिग्ध हालत में गायब हो गई थी। तीन दिन बाद वह वापस लौटी और पुलिस को बताया कि वह एक युवक के साथ अपनी मर्जी से गई थी, और उसने शादी कर ली है।इसके बाद वह अपने माता-पिता के घर लौट गई। बाद में करीब 19 दिन बाद युवती वापस थाने पहुंची और पुलिस को बताया कि उसका बाइक से अपहरण कर युवक ने भोपाल में बंधक बनाकर उसके साथ ज्यादती की थी।

पीड़िता के बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म सहित अन्य धाराओं में माला दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिये है। थाना पुलिस ने बताया कि इलाके में रहने वाली 28 वर्षीय युवती कॉलेज की पढ़ाई पूरी कर चुकी है। बीती 25 मई को अपने घर से अचानक लापता हो गई थी। परिजनों की शिकायत पर गुमशुदगी का प्रकरण दर्ज किया था। करीब तीन दिन बाद 28 मई को युवती थाने पहुंची और पुलिस को दिए अपने बयानों में बताया कि वह प्रशांत मालवीय नाम के युवक के साथ गई थी, और उसने अपनी मर्जी से उसके साथ शादी कर ली है। अब वह अपने माता-पिता के साथ घर जा रही है, और आगे समय में वह परिजनों की मर्जी से पूरे रिती-रिवाज के साथ प्रशांत से शादी करेगी। इसके करीब 19 दिन बाद 16 जून को युवती बैसरिया थाने पहुंची और पुलिस को बताया कि वह अपनी मर्जी से प्रशांत के साथ नहीं गई थी, बल्कि प्रशांत ने उसे अपनी बाइक से बैठाकर अगवा किया और भोपाल के सेमरा इलाके में अपने घर पर बंधक बनाकर तीन दिनों तक उसके साथ बलात्कार किया। बाद में प्रशांत ने उसे धमकाया था, और उसकी धमकी के डर से उसने उस समय सही घटना के बारे में पुलिस को नहीं बताया था। पीड़िता के बयानों के आधार पर पुलिस ने आरोपी प्रशांत के खिलाफ अगवा कर बंधक बनाकर बलात्कार करने व धमकाने का प्रकरण दर्ज किया है।

मानसरोवर समूह के आयुर्वेदिक महाविद्यालयों में योग ब्रेक

स्वर्ण जयंती पार्क में प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों को दिया योग प्रशिक्षण

भोपाल ■ निसं

मानसरोवर ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के तीनों आयुर्वेदिक महाविद्यालयों में 11वें अंतराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में सप्ताह भर योग ब्रेक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इस उपलक्ष्य में मंगलवार को मानसरोवर आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, श्री साईं इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक रिसर्च एंड मेडिसिन और फैकल्टी ऑफ आयुर्वेदा द्वारा वाय ब्रेक का आयोजन किया गया जिसमें ब्रह्मकुमारी के चिकित्सकों द्वारा ब्रेथ, स्ट्रेच और रिफ्रेश योग का प्रशिक्षण दिया गया। वहीं 18 जून को पोस्टर कॉम्पीटीशन और 19 जून को योग पॉस्चर इनोवेशन कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

योग फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ% की थीम पर आयोजित कार्यशाला में मुख्य अतिथि ब्रह्मकुमारी डॉ. प्रियंका नेगी और ब्रह्मकुमारी डॉ. देवयानी ने म्यूजिकल योग, मनोरंजनात्मक और तनावमुक्त गतिविधियों के माध्यम से शिक्षकों और विद्यार्थियों को सकारात्मकता के गुण सिखाए। आयुर्वेदिक महाविद्यालयों के संचालक डॉ. बाबूल ताम्रकार ने बताया कार्यशाला के माध्यम से आज मानसरोवर समूह के प्राध्यापकों सहित लगभग 278 छात्रों को लाभ प्रदान किया जा रहा है। कार्यशाला में योग के माध्यम से शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक लाभ मिल सकेगा। कार्यशाला की रूपरेखा मानसरोवर आयुर्वेदिक कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनुराग सिंह राजपूत, डॉ. मनीषा राठी, डॉ. रचना जैन, डॉ. आकांक्षा पटवा एवं डॉ. मुकेश कुमार द्वारा तैयार की गई।

इससे पहले मानसरोवर ग्लोबल यूनिवर्सिटी, फैकल्टी ऑफ आयुर्वेद के स्वस्थवृत्त और योग विभाग द्वारा एमजीयू हॉस्पिटल के फैकल्टी मेंबर्स, नर्सिंग स्टाफ और अन्य स्टाफ मेंबर्स के लिए योग ब्रेक गतिविधियां आयोजित की गई थीं। जिसमें डॉ. मदन मोहन कुशवाह और डॉ. लीना गेहानी द्वारा प्रशिक्षण और प्राचार्य डॉ. श्रीकांत पटेल के मार्गदर्शन में कार्यस्थल पर विश्राम और तनाव कम करने का प्रभावी योगाभ्यास करवाया गया। वहीं मानसरोवर आयुर्वेदिक कॉलेज, हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर और श्री साईं इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक रिसर्च एंड मेडिसिन के प्रशिक्षक डॉ. मुकेश पटेल एवं डॉ. रचना जैन द्वारा स्वर्ण जयंती पार्क में विद्यार्थियों को योग का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मानसरोवर समूह के तीनों आयुर्वेदिक महाविद्यालयों के शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थीगण मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

नेत्र रोग के 166 मरीजों की हुई नि:शुल्क जाँच

खंडवा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत के मार्गदर्शन में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र छैगांवमाखन में नि:शुल्क नेत्र जाँच शिविर लगाकर मरीजों का नेत्र परीक्षण किया गया। जिसमें 166 मरीजों की आंखों की जाँच कर 42 मरीजों को मोतियाबिंद की सर्जरी के लिए चयनित किया गया। नोडल अधिकारी डॉ. आनंद ओनकर ने बताया कि मोतियाबिंद सर्जरी के लिए चयनित मरीजों में से 27 को नि:शुल्क ऑपरेशन के लिए चोइथराम नेत्रालय इन्दौर भेजा गया है। मरीजों की जाँच नेत्र रोग विशेषज्ञ द्वारा की गई है। शिविर में आये मरीजों के परिजनों को नेत्र रोग की जानकारी देते हुए अपनी आखों की देखभाल व गर्मी में आँखों को किस प्रकार सुरक्षित रखें यह समझाइश भी दी गयी।

इंदौर में तीन बदमाशों ने बाइक सवार से रुपए छीने

इंदौर। इंदौर के खजराना में बाइक सवार युवक से स्कूटर सवार तीन लोगों ने रुपए छीन लिए। युवक अपनी बाइक से जा रहा था। तभी आरोपी पीछे से आए और टक्कर मारने की बात पर विवाद करने लगे। पुलिस नंबर के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है। खजराना पुलिस ने चंदन पुत्र गोकुल की शिकायत पर एक्सेस स्कूटर पर सवार तीन लोगों पर जबरदस्ती रुपए छीनने के मामले में केस दर्ज किया है। चंदन ने बताया कि वह अपनी बाइक से रविवार रात कनाडिया से बुआ से मिलने पीपल्याहाना की तरफ जा रहा था। जब ब्रिज से उतरकर मयूर अस्पताल के यहां पहुंचा तो वहां पर तीन लड़कों ने उसे रोका। उन्होंने कहा कि तूने बाइक से हमारी स्कूटर को टक्कर मारी है। गाड़ी में नुकसान हुआ है। हर्जाना देना होगा। चंदन ने अपने पास रुपए होने की बात से इनकार किया। आरोपियों ने उसे रोक कर रखा। कुछ देर बाद चंदन के पिता गोकुल के मोबाइल पर आरोपियों में से एक ने कॉल किया और बताया कि बेटे से एक्सीडेंट हो गया है। रुपए देने होंगे। इसके बाद खजराना दरगाह के यहां पर आरोपियों ने लात घूंसों से मारपीट की।

सिंहस्थ 2028 को लेकर तैयारी तेज

पिंगलेश्वर, नईखेड़ी, चिंतामन और विक्रम नगर रेलवे स्टेशन किए जाएंगे अपग्रेड

उज्जैन ■ निसं

सिंहस्थ 2028 लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विकास के लिए कई योजनाएं दी हैं। सभी विभाग मिलकर सिंहस्थ को सफल बनाएंगे। मुख्यमंत्री की मंशा यही है कि आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। सिंहस्थ में इस बार अधिक श्रद्धालु आएंगे, इसी को ध्यान में रखते हुए योजनाओं को मूर्त रूप दिया जा रहा है। सीएम के निर्देश पर पुलिस और रेल विभाग के अधिकारियों के बीच बैठक हुई। इसमें सिंहस्थ को लेकर बनाई गई योजनाओं और संभावित योजनाओं पर चर्चा की गई। एडीजी उमेश जोगा के नेतृत्व में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि नई खेड़ी, पिंगलेश्वर, चिंतामन और विक्रम नगर रेलवे स्टेशनों को अपग्रेड किया जाएगा। इन स्टेशनों पर कई सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी।

एडीजी जोगा ने रेलवे अधिकारियों से कहा कि प्रयागराज के कुंभ मेले से कई बातें सीखने को मिली हैं। उस मेले के आयोजन से पूर्व सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया था। हमें भी उसी तकनीक पर काम करना है। रेलवे अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि सिंहस्थ के लिए विशेष तौर पर कर्मचारियों को तकनीकी और भीड़ प्रबंधन की ट्रेनिंग दी जाएगी। चार रेलवे स्टेशनों को अपग्रेड करते हुए वहां सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। जीआरपी की टीम तैयार रहेगी। इस योजना में आरपीएफ मुंबई और रतलाम से तकनीकी समन्वय कर क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। रेलवे स्टेशनों पर जो मूलभूत सुविधाएं होती हैं, वे मुहैया कराई जाएंगी। सुरक्षा की दृष्टि से सभी आवश्यक इंतजाम किए जाएंगे और रेलवे परिसर को और विकसित किया जाएगा।

भीड़ प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा

एडीजी जोगा ने कहा कि सिंहस्थ के लिए सबसे बड़ी चुनौती भीड़ प्रबंधन है। इस विषय पर बैठक में मौजूद सभी अधिकारियों ने अपनी-अपनी योजनाएं बताईं और उन पर चर्चा की गई। एडीजी ने कहा कि हमें यातायात व्यवस्था पर अभी से ध्यान देने की जरूरत है। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को पैदल अधिक न चलना पड़े, ऐसी योजना बनाई जाए। भीड़ के दौरान सुरक्षा और कानून-व्यवस्था भी प्रमुख मुद्दा है। जब कोई बड़ा उत्सव होता है, तब बदमाश भी भीड़ में शामिल हो जाते हैं। उनकी धरपकड़ के लिए सादी वर्दी में पुलिस जवान तैनात किए जाएं। बैठक में आईजी आरपीएफ मुंबई अजय सदानी, डीआईजी नवनीत भसीन, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक रामराज मीणा, आरपीएफ रतलाम एवं सिंहस्थ से जुड़े अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रत्येक घाट पर पुलिस के जवान रहेंगे

बैठक का मुख्य उद्देश्य सिंहस्थ-2028 के दौरान करोड़ों श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, अपराध नियंत्रण, आपातकालीन प्रबंधन एवं तीर्थयात्रियों को सर्वोत्तम सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए विस्तृत रणनीति तैयार करना रहा। सिंहस्थ के दौरान पुलिस बल को अतिरिक्त स्टाफ, होमगार्ड, क्यूआरटी, विशेष महिला पुलिस बल एवं सादी वर्दी में विशेष दस्तों द्वारा सुदृढ़ किया जाएगा। प्रत्येक घाट, धर्मशाला एवं मार्गों पर निरंतर निगरानी रखी जाएगी।

5 दिन बाद इंदौर की बहू के शव की पहचान, अहमदाबाद विमान हादसे में गई थी जान

इंदौर ■ निसं

हरप्रीत अपने पति से मिलने लंदन जा रही थीं। उसी दौरान अहमदाबाद विमान हादसे का शिकार बन गईं। अहमदाबाद के विमान हादसे में जान गंवाने वाली इंदौर की बहू हरप्रीत कौर होरा के शव की पहचान 5 दिन बाद हो पाई है। आज उनका अंतिम संस्कार उनके मायके में किया जाएगा। इस दुखद घटना को लेकर उनके परिवार में शोक की लहर है, और उनके पति भी लंदन से भारत लौट आए हैं, ताकि वे अपनी पत्नी को अंतिम विदाई दे सकें।

12 जून को एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 171 अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरने के बाद दुर्घटना का शिकार हो गई थी। इस विमान में कुल 242 यात्री सवार थे, जिनमें से 241 की मौत हो गई थी। इंदौर की बहू हरप्रीत कौर होरा भी उन यात्रियों में शामिल थीं। हरप्रीत लंदन में आईटी कंपनी में काम करने वाले अपने पति से मिलने के लिए इस विमान में सवार हो रही थीं। हादसे के बाद से ही उनके परिवार के सदस्य उनके घर पर एकत्रित हो गए थे। रिश्तेदारों की उपस्थिति से दोनों पक्षों में शोक का माहौल था।

पहचान में अधिक समय लगा: सरकारी अधिकारियों द्वारा हरप्रीत की पहचान के लिए डीएनए सैंपल लिया गया था। हालांकि, डीएनए मैचिंग प्रक्रिया में अनुमान से अधिक समय लगा, और 72 घंटे के स्थान पर यह काम 120 घंटे बाद पूरा हो सका। इस बीच, विमान में मारे गए अन्य यात्रियों के शवों की पहचान भी जारी रही।

इंदौर से अहमदाबाद गए परिजन

अब, इंदौर की बहू हरप्रीत कौर होरा के शव की पहचान होने के बाद, उनके परिवार को शव सौंपने की प्रक्रिया अस्पताल में जारी है। अंतिम संस्कार के लिए उनके मायके में सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। उनके निकटतम रिश्तेदार हरितपाल होरा के अनुसार, आज दोपहर अहमदाबाद के शबरी कुटी, अल्फा मॉल के पीछे से अंतिम यात्रा निकलेगी और थल तेज मुक्तिधाम पर उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। हरप्रीत के पति राबी, जो एक साल से लंदन में आईटी कंपनी में काम कर रहे थे, भी अपनी पत्नी को अंतिम विदाई देने के लिए लंदन से वापस लौट आए हैं। इसके अलावा, ससुराल पक्ष के अन्य लोग भी इंदौर से अहमदाबाद पहुंच चुके हैं।

हवा-आंधी में पोल-तार टूटे, कंपनी ने नहीं सुधारे, तीन दिन से गुल थी बिजली, सड़क पर उतरे ग्रामीण

सीहोर ■ निसं

प्रदर्शन करते ग्रामीण।

सीहोर जिले के कई गांवों में शनिवार को आए आंधी-तूफान के बाद से बिजली आपूर्ति ठप है। बिजली पोल, तार टूटने के बाद भी बिजली कंपनी ने इस दिशा में ध्यान नहीं दिया। तीन दिन से एक दर्जन गांवों में बिजली गुल होने से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ गया। गुस्साए ग्रामीणों ने खराब व्यवस्था और बिजली विभाग की लापरवाही के विरोध में मंगलवार को रामाखेड़ी, ढाबला, बिलकिसगंज, चैनपुरा और खुरानिया सहित अन्य गांवों के ग्रामीण सड़क पर उतर आए। उन्होंने नारेबाजी कर धरना दिया।

दरअसल, जिले के बिलकिसगंज व बरखेड़ी सब स्टेशन के क्षेत्रीय ग्राम रामाखेड़ी, ढाबला, बिलकिसगंज, चैनपुरा, खुरानिया सहित अन्य गांवों में शनिवार को आंधी-तूफान ने गांव की रंगत बिगाड़ दी थी। इन गांवों में कई जगह बिजली कंपनी के पोल धराशायी हो गए थे, वहीं तार भी टूट गए थे। इसके कारण करीब एक दर्जन गांवों की तीन दिन से बिजली बंद पड़ी थी। इससे ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।

समाजसेवी एमएस मेवाड़ा ने बताया कि बिजली बंद होने से ग्रामीण और किसान काफी परेशान थे। किसानों के खेतों की सब्जियों व अन्य फसलों में पानी नहीं मिल पा रहा है। वहीं, बिजली के अभाव में पीने के पानी एवं मवेशियों के लिए पानी की व्यवस्था भी नहीं हो पा रही थी। इसके संबंध में बिजली कंपनी को भी अवगत कराया गया, लेकिन कंपनी लापरवाही बरतती रही। इससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ गया। परेशान होकर ग्राम रामाखेड़ी, ढाबला, बिलकिसगंज, चैनपुरा, खुरानिया सहित अन्य ग्रामीणों ने धरना शुरू कर दिया।

रोड पर शुरू हुआ धरना करीब दो घंटे चला। दो घंटे बाद बिजली कंपनी के अधिकारी सहायक यंत्री राम पाली धरना स्थल पर पहुंचे और ज्ञापन लेकर धरना समाप्त कराया।

जब तक अधिकारी नहीं आएंगे, धरना जारी रहेगा

ग्रामीणों का कहना है कि जब तक बिजली विभाग के अधिकारी मौके पर आकर ज्ञापन नहीं लेंगे और तत्काल समाधान नहीं करेंगे, तब तक धरना जारी रहेगा। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीण महिलाएं भी शामिल रहीं। ग्रामीणों ने मांग कर कहा कि टूटे ट्रांसफॉर्मर तुरंत बदले जाएं, खंभे और लाइनें दुरुस्त की जाएं, बिजली सप्लाई जल्द बहाल हो। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। इस मौके पर धनराज मेवाड़ा, रमेश मेवाड़ा, बाबूलाल, भगवत सिंह, लक्ष्मण सिंह, विपिन मेवाड़ा, दिलीप सिंह, संतोष सिंह, बलराम सिंह, बने सिंह, जगन्नाथ पटेल, करण सिंह, वरिष्ठ किसान हेमराज, दौलतराम, प्रहलाद, कैलाश, गोपाल सिंह, प्रकाश सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण किसान उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में अधिकारियों ने सुनी नागरिकों की समस्याएं

खण्डवा। शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत नागरिकों की शासकीय कार्यालयों से संबंधित समस्याओं का निराकरण अधिकारियों द्वारा किया जाता है। इसी क्रम में मंगलवार को अपर कलेक्टर काशीराम बड़ोले एवं अरविंद चौहान ने जनसुनवाई में समस्याओं के आवेदन लेकर आए विभिन्न नागरिकों की समस्याएं सुनी और उनके त्वरित निराकरण के लिए मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी खण्डवा बजरंग बहादुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारीगण मौजूद थे। जनसुनवाई में आवेदक नर्मदा शंकर निवासी ग्राम भोगांवा ने पंचायत सचिव की शिकायत कर कहा कि मुझे सचिव द्वारा पाईप लाइन कर नल कनेक्शन नहीं दिया जा रहा है।

कादरी को बचाने आई कांग्रेस, भाजपा हुई हमलावर, लव जिहाद पर चौतरफा घिरा पार्षद

इंदौर ■ निसं

पार्षदी खत्म करवाने के लिए महापौर लिखेंगे पत्र, पुलिस अधिकारियों से एनएसए में कार्रवाई करने की मांग, कांग्रेस नेता चिंटू चौकसे बोले कोर्ट में सच सामने आएगा। इंदौर में मुस्लिम युवकों को हिंदू लड़कियों से शादी करने के लिए फडिंग देने का खुलासा हुआ है।

कांग्रेस पार्षद अनवर कादरी पर बाणगंगा पुलिस ने इस मामले में प्रकरण दर्ज किया है। दो लड़कों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है जिन्होंने यह कबूल किया है कि कादरी ने उन्हें 3 लाख रुपए दिए थे। इससे वह हिन्दू लड़कियों को फंसाते थे।

इस मामले में राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ है। कादरी के खिलाफ भाजपा ने मोर्चा खोल दिया है। इसके साथ ही उनकी पार्षदी खत्म करने की मांग उठाई जा रही है। कांग्रेस रक्षात्मक मुद्रा में है, लेकिन खुलकर कादरी के पक्ष में कोई नहीं बोल रहा। सब जानते हैं इस समय ऐसा करना पार्टी और खुद की छवि को नुकसान पहुंचाने जैसा है।

जीतू पटवारी बोले मैं मामले को समझने के बाद ही बोलूंगा

मामले में महापौर ने कहा कि कादरी का यह कृत्य निंदनीय है। ऐसे पार्षद को कांग्रेस से निष्कासित करना चाहिए। कांग्रेस कादरी को पार्टी से बाहर करे। महापौर के अलावा भाजपा नगर अध्यक्ष, एमआइसी मेंबर और भाजपा के प्रदेश सह मीडिया प्रभारी ने भी पार्षद कादरी के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है, लेकिन नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष का कहना है कि भाजपा हमारे पार्षद पर झूठा आरोप लगा रही और उन्हें षड्यंत्र के तहत फंसा रही है। हालांकि पार्षद कादरी के मामले में जब प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी से बात की गई तो उन्होंने पहले तो कुछ नहीं कहा, लेकिन बाद में बोले पहले मामले को समझता हूं।

शातिर चोर गैंग के पांच बदमाश गिरफ्तार

मंदिरों के 49 घंटे, लोहे काटने के कटर और नकदी बरामद

ग्वालियर ■ निसं

आरोपी और उनसे बरामद सामान।

ग्वालियर जिले की उटीला थाना पुलिस ने एक शातिर चोर गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। ये लोग दूर-दराज और ग्रामीण इलाकों में स्थित मंदिरों से पीतल के घंटे चोरी करने में माहिर थे। इस मामले में दो चोर और तीन कबाड़ियों को गिरफ्तार किया गया है। पिछले छह महीने के दौरान जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में इस गिरोह ने कई चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया था पकड़े गए चोरों से लगभग 3 क्विंटल वजनी 49 मंदिरों के घंटे, प्लास, हथौड़ा, लोहे काटने का कटर और 14,000 से अधिक रुपये बरामद किए गए हैं। साथ ही, वारदात में उपयोग की गई बाइक भी पुलिस ने जब्त की है। पकड़े गए चोरों ने आरोन, टेकनपुर, डबरा देहात, डबरा शहर, पिछोर आदि स्थानों से ये घंटे चुराना कबूल किया है।

पुलिस के अनुसार, बीते रोज सूचना मिली थी कि एक हनुमान मंदिर के बाहर जंजीर से बंधे हुए लगभग 62 किलो वजनी पीतल के घंटे चोरी कर लिए गए हैं। इस पर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया। सभी घंटे पीतल के बने हुए थे। बरामदगी की जानकारी देते हुए बताया गया कि पुलिस की कई टीमों को इस गिरोह को पकड़ने के लिए लगाया गया था।

पुलिस को सूचना मिली थी कि लक्ष्मीगंज इलाके में श्मशान घाट के पास कुछ लोग शराब पीने के लिए एकत्र होते हैं और मंदिरों में चोरी की वारदातों को अंजाम देते हैं। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर बाइक सहित सोनू सोलंकी और महेश कुशवाहा को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान इनसे बड़ी मात्रा में घंटे बरामद किए गए हैं। इसके साथ ही, चोरी करने में प्रयुक्त उपकरण भी जब्त किए गए हैं।

जल संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है - कलेक्टर गुप्ता

खंडवा में जल संरक्षण के लिए जल संवाद कार्यशाला हुई आयोजित

खंडवा ■ निसं

कलेक्टर ऋषव गुप्ता द्वारा खंडवा जिले में गिरते भूजल स्तर को रोकने एवं वर्षा जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वाकांअभियान की शुरुआत की गई है। इस अभियान के तहत जिले के सभी शासकीय और निजी भवनों पर रूफ वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर स्थापित किए जा रहे हैं। इस पहल में जिला प्रशासन, नगरीय और ग्रामीण स्थानीय निकायों, उद्योगों, स्वयंसेवी संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, गृहस्वामियों, पंचायतों और समुदाय आधारित संगठनों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया जा रहा है। यह अभियान पांच चरणों में लागू किया जाएगा।

इसी क्रम में जल संरक्षण की आवश्यकता और इसके तकनीकी पक्ष पर विस्तृत चर्चा के लिए सोमवार को किशोर कुमार सभागृह में जल संवाद कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जिले के ग्राम पंचायतों के सरपंच, जनपद पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्य और जिला पंचायत अध्यक्ष एवं सदस्यों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला में जल संरक्षण के तकनीकी पहलुओं पर प्रशिक्षण देने के लिए 36 मास्टर ट्रेनर उपस्थित थे। प्रशिक्षण का संचालन देवास से आए जल विशेषज्ञ डॉ. सुनील चतुर्वेदी, निदेशक, विभावरी, देवास और प्रो. डॉ. समीरा नईम, समन्वयक, इंदौर-उज्जैन संभाग, राज्य आनंद संस्थान ने किया। कलेक्टर गुप्ता ने इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

जबलपुर में किसानों ने किया चक्काजाम

2 घंटे तक मनाते रहे अफसर; बोले- डीएपी के साथ नैनो खाद की अनिवार्यता गलत

जबलपुर ■ निसं

जबलपुर-दमोह मार्ग में मंगलवार की दोपहर को सैकड़ों किसान अचानक ही सड़क पर उतर आए और प्रदर्शन करने लगे। जानकारी लगते ही एसडीएम के साथ पाटन और कटंगी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। करीब 2 घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद किसानों ने अधिकारियों की समझाइश पर चक्काजाम खत्म किया। किसानों का कहना था कि प्रशासन डीएपी खाद के साथ नैनो डीएपी लेने की बाध्यता कर रहा है। जिसके चलते किसानों को महंगे दाम पर खाद खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है। बोवनी का समय आ गया है, लेकिन खाद के लिए परेशान होना पड़ रहा है।

सोमवार को पहुंची है चार ट्रक डीएपी: पाटन गांव में डबल लॉक सेंटर बनाया है। जहां से किसानों को खाद वितरण करना होता है। सोमवार को करीब चार ट्रक डीएपी जैसे ही डबल लॉक सेंटर पहुंची तो किसानों की भारी भीड़ लग गई। बड़ी संख्या में किसान पहुंचे और खाद की मांग करने लगे। अब कृषि विभाग ने यह कहते हुए डीएपी देने से मना कर दिया कि अभी रिकार्ड में नहीं चढ़ा है। मंगलवार दोपहर को फिर से किसान सेंटर पहुंचे और हंगामा कर दिया। किसानों का कहना था कि एक डीएपी की बोरी साढ़े 1300 रुपए में दी जा रही है। दो बोरी 2700 रुपए में देने के साथ-साथ नैनो डीएपी साढ़े 600 रुपए में अनिवार्य की गई है।

डीएपी लेने गए तो पता चला कल मिलेगी

किसान राजकुमार का कहना है कि नैनो डीएपी किसी काम की नहीं है। किसान अजय ने बताया कि जानकारी लगी थी कि लंबे समय के बाद सोमवार को सेंटर में डीएपी खाद आई है, लेने गए तो पता चला कि कल से मिलेगी, इसके बाद किसान रात दो बजे से डबल लॉक सेंटर के बाहर लाइन लगाकर खड़े हुए है, पर डीएपी की नहीं मिली।

पं.प्रदीप मिश्रा की टिप्पणी से कायस्थ समाज नाराज

राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही की मांग की, सीहोर जाकर घेराव की चेतावनी

उज्जैन ■ निसं

कथा वाचक पं.प्रदीप मिश्रा (सीहोर वाले) द्वारा 14 जून को महाराष्ट्र के बीड़ में आयोजित कथा के दौरान यमराज और भगवान चित्रगुप्त पर अभद्र टिप्पणी को लेकर कायस्थ समाज में आक्रोश है। मंगलवार को कायस्थ समाज के लोगों ने प्रशासनिक संकुल पहुंचकर कलेक्टर को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर पं. मिश्रा पर कार्यवाही की मांग की है। समाज जनों ने कहा कि यदि पं. मिश्रा ने माफी नही मांगी तो प्रदेश से समाज जन सीहोर पहुंचकर प्रदर्शन करेंगे।

महाराष्ट्र के बीड़ में आयोजित कथा के दौरान पं. प्रदीप मिश्रा ने कायस्थ समाज के आराध्य देव भगवान चित्रगुप्त और यमराज को लेकर अभद्र टिप्पणी की है। राज्यपाल के नाम सौंपे ज्ञापन में कहा गया है कि पं. मिश्रा द्वारा की गई टिप्पणी को लेकर लगता है कि प्रदीप मिश्रा अपनी वाणी के साथ मनो स्थिति को खोते जा रहे है। ये भगवान श्री चित्रगुप्त, यमराज जी का ही नहीं पूरी सृष्टि के लोगों का अपमान है।

महिला की मौत पर निजी अस्पताल में तोड़फोड़

खंडवा में गुस्साए परिजनों ने लाठी-डंडों से कांच तोड़े, इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया

खंडवा ■ निसं

खंडवा में इंदौर रोड स्थित पम्पुरी हॉस्पिटल में मंगलवार को एक महिला की मौत के बाद परिजनों ने हंगामा कर दिया। डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए उन्होंने अस्पताल में तोड़फोड़ की। लाठी-डंडों से कांच भी फोड़ दिए।

घटना की सूचना पर एसडीएम बजरंग बहादुर, सीएसपी अभिनव बारंगे और पुलिस बल मौके पर पहुंचा। अफसरों ने परिजनों को समझाकर मामला शांत कराया।

किडनी की बीमारी से भर्ती थी महिला: जानकारी के मुताबिक, 21 मई को ज्योति नाम की महिला को किडनी की समस्या के चलते पम्पुरी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। तबीयत बिगड़ने पर उसे इंदौर रेफर किया गया। मंगलवार को इंदौर में इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। इसके बाद परिजन हॉस्पिटल पहुंचे और हंगामा शुरू कर दिया।

जांच के बाद होगी कार्रवाई: एसडीएम बजरंग बहादुर ने बताया कि परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही के आरोप लगाकर हॉस्पिटल में तोड़फोड़ की है। शिकायत के आधार पर जांच की जा रही है।

अनमोल वचन

दंड द्वारा प्रजा की रक्षा करनी चाहिए लेकिन बिना कारण किसी को दंड नहीं देना चाहिए।
रामायण

शाश्वत शांति की प्राप्ति के लिए शांति की इच्छा नहीं बल्कि आवश्यक है इच्छाओं की शांति।
स्वामी ज्ञानानंद

सम्पादकीय

प्लेन हादसा जानबूझ कर नहीं होता

भारत के अहमदाबाद एयरपोर्ट से प्लेन के टेक ऑफ करने के तुरंत बाद मेघानीनगर इलाके में यह हादसा हुआ है। विमान अहमदाबाद से लंदन जा रहा था, प्लेन में 12 क्रू मेंम्बर्स (दो पायलट समेत) और 230 यात्रियों सहित कुल 242 लोग सवार थे मौत का आकड़ा बढ़ कर 285 तक हो गई यह याद रखना ज़रूरी है कि अगर आप हवाई यात्रा कर रहे हैं तो विमान दुर्घटना की संभावना बेहद कम है। फिर भी, कई सालों बाद भी ऐसी घटनाएँ होती रहती हैं। ब्लैक बॉक्स को वापस लाने के बाद पता चला कि टेकऑफ़ के दौरान, एक निश्चित ऊँचाई पर पहुँचने के बाद विमान के सिस्टम फेल हो गए थे और पायलट ने इस समस्या के बारे में एयर ट्रैफ़िक कंट्रोल को सूचित किया था। दुर्घटनाओं पर शोध करने वाले जांचकर्ताओं को अभी तक इस घटना को किसी विशिष्ट कारण से जोड़ने वाले प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं मिले हैं। इस रहस्य को वैज्ञानिक रूप से समझाने के लिए, हम समझते हैं कि जब किसी विमान में कोई समस्या आती है, तो पायलट आमतौर पर एयर ट्रैफ़िक कंट्रोल से सहायता माँगता है। हालाँकि, यह दुर्घटना इतनी अचानक हुई कि प्रमुख देशों के विशेषज्ञ अब इसे सुलझाने के लिए काम कर रहे हैं। एक ही समाधान के बजाय, जाँच के कई रास्ते अपनाए जा रहे हैं। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि विमान में उड़ान भरने से दुर्घटनाओं का जोखिम बहुत कम होता है, लेकिन कई सालों बाद भी घटनाएँ हो सकती हैं। सभी वस्तुएँ गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव में चलती हैं, जबकि हवाई जहाज लगभग शून्य गुरुत्वाकर्षण वातावरण में काम करते हैं। एक विमान में टर्बाइन ब्लेड होते हैं जो हवा को काटते हैं और पंख जो दिशा और स्थिरता प्रदान करते हैं। टर्बाइन एक ऐसी मशीन है जो ऊर्जा के एक रूप को दूसरे में परिवर्तित करती है, जैसे गतिज ऊर्जा को यांत्रिक ऊर्जा में या भाप ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में बदलना। टर्बाइन घूर्णी गति के माध्यम से यांत्रिक ऊर्जा उत्पन्न करते हैं। परिवहन दुर्घटना आग पर सबसे शुरुआती अमेरिकी अध्ययनों में से एक ने संकेत दिया कि 1946 में लगभग 15 प्रतिशत अमेरिकी वाणिज्यिक एयरलाइन दुर्घटनाओं में दुर्घटना के बाद आग लग गई थी। इस रिपोर्ट ने उड़ान के दौरान और दुर्घटना के बाद की आग से संबंधित ईंधन गुणों और प्रज्वलन स्रोतों की जांच की।1951 में एसएई (सोसाइटी ऑफ ऑटोमोटिव इंजीनियर्स, एक अमेरिकी संगठन है) की एक बैठक में नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (CAA) के इंजीनियर द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट में कहा गया था कि 1938 और 1951 के बीच, आग न लगने वाली दुर्घटनाओं के कारण 60.8 प्रतिशत यात्रियों की मृत्यु हुई, जबकि आग से जुड़ी दुर्घटनाओं में मृत्यु दर 84.6 प्रतिशत थी। इस पत्र में दुर्घटना जांच के निष्कर्षों के साथ-साथ ब्लैडर टैंक और सेल्फ-सीलिंग फिटिंग के परीक्षण पर चर्चा की गई थी। 1966 में किए गए सिविल एरोनॉटिक्स बोर्ड (CAB) के एक अध्ययन में 1955 से 1964 के बीच हुई 153 दुर्घटनाओं की जाँच की गई, जो या तो आग के कारण हुई थीं या आग के परिणामस्वरूप हुई थीं। इसमें शामिल 4,559 यात्रियों और चालक दल में से 1,955 गंभीर रूप से घायल हुए, कुल मिलाकर, इन घटनाओं में 1,161 लोग शामिल थे, जिनमें 488 (42%) ने अपनी जान गंवाई। मौतों में से 294 (60त्न) आग के कारण हुईं और अन्य 57 व्यक्ति गंभीर रूप से जल गए।79 दुर्घटनाएं जो घातक थीं या जिनमें आंशिक रूप से बचने की संभावना थी, उनमें 294 (15%) की मौत आग के कारण हुई। रिपोर्ट में कुछ दुर्घटनाओं का विस्तृत विवरण शामिल था जिसमें मृत्यु और जीवित बचे दोनों शामिल थे, जिससे विमान डिजाइन में आग की रोकथाम पर आगे के शोध की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया, क्योंकि प्रभाव के बाद संक्षिप्त निकासी अवधि के दौरान अग्निशमन संसाधन शायद ही उपलब्ध हों। 1975 में, स्टैनफोर्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा किए गए नासा अध्ययन ने 1963 से 1975 तक अमेरिकी वाणिज्यिक विमानों से जुड़ी दुर्घटनाओं की समीक्षा की ध्यान इस बात पर केंद्रित था कि किस हद तक बेहतर अग्नि प्रतिरोध और/या कम विषाक्तता वाली सामग्री चोटों, मौतों और आग से होने वाले नुकसान को कम कर सकती है। इस अवधि के दौरान, 545 गैर-अशांति दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें से 122 (22%) में एयरफ्रेम में आग लग गई थी। न दुर्घटनाओं को छोड़कर जिनमें एयरफ्रेम को कोई नुकसान नहीं हुआ था और वे दुर्घटनाएं जिनमें आग इंजन और/या पहिये के वेल तक ही सीमित थी, केवल 22% दुर्घटनाओं में आग शामिल थी; हालांकि, 75% घातक दुर्घटनाओं में आग शामिल थी। आग से संबंधित 122 दुर्घटनाओं में से कम से कम 21 में, प्रभाव क्षति अपेक्षाकृत कम थी, फिर भी आग से क्षति गंभीर थी। आग की लगभग आधी दुर्घटनाएं लैंडिंग के दौरान हुईं। कुल मिलाकर, लगभग 15त्न मौतें आग के कारण हुईं, यह आंकड़ा 1966 के एक अध्ययन में पाए गए आंकड़े में आग से जुड़ी 71 घातक दुर्घटनाओं में से 39 में प्रभाव के कारण जान बच नहीं सकी, 13 में कुछ मौतें सीधे आग के कारण हुईं, और 19 को प्रभाव के बाद जान बच पाने या न बच पाने की सूचना मिली। विडमेयर और ब्रेंडे द्वारा किए गए इस व्यापक अध्ययन में सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आंकड़ों और कंपनी के अभिलेखों का विश्लेषण किया गया, तथा 1959 और 1979 के बीच घटित 583 घटनाओं के प्रारंभिक डेटाबेस से 153 संभावित रूप से जीवित रहने योग्य दुर्घटनाओं से विस्तृत जानकारी संकलित की गई।

चिंतन-मनन

संत की उदारता

विख्यात संत एकनाथ जी 12 वर्ष की अवस्था में ही अपने गुरु जनार्दन स्वामी के पास देवगढ़ पहुंच गए थे। गुरु ने उन्हें आश्रम के हिसाब-किताब का काम सौंप दिया। एक दिन जब एकनाथ जी ने हिसाब और रोकड़ का काम किया तो एक पाई की कमी नजर आई। खूब सोचने के बाद आखिरकार उन्हें आधी रात को एक पाई का हिसाब मिल गया तो उन्होंने उसी समय अपने गुरुजी को जाकर यह बात बताई। इस पर गुरु हंसे फिर बोले- बेटा! एक पाई की भूल मिलने से तुम इतने प्रसन्न हो और इस संसार के मायाजाल जैसी महाभूल को अपनाए हुए हो। इस पर कभी सोचा है? यह सुनते ही एकनाथ जी के भीतर वैराग्य जागा और दुनिया के कामकाज से उनका मोहभंग हो गया। उन्होंने उसी समय सब कुछ छोड़ देने का फैसला किया। वे अपने गुरु से दीक्षा लेकर पर्वत पर जाकर तपस्या करने लगे। तपस्या के बाद वे अपनी जन्मभूमि के निकट पिपलेश्वर महादेव में रहने लगे। पर थोड़े ही समय बाद वे विवाह कर गृह संन्यासी बन गए। एकनाथ जी ने गुरू के आदेश का पालन किया। विवाह के बाद उनके घर में नित्य कीर्तन होता और अन्न वितरण किया जाता। एक दिन कीर्तन में कुछ चोर आ गए। उन्होंने घर का सभी सामान समेट लिया। फिर उन्होंने देवमूर्ति के आभूषण चुराने का प्रयास किया। वहीं एकनाथ जी ध्यानमग्न बैठे थे। उन्होंने चोरों से कहा- तुम्हें इनकी बहुत अधिक आवश्यकता होगी अन्यथा इतनी रात गए भला कोई जोखिम क्यों उठाता? तुम सब मुसीबत के मारे लगते हो। चिंता मत करो। मुझसे जो मदद होगी, मैं करूंगा। यह कहते हुए उन्होंने अपनी उंगली की अंगूठी भी उतार कर उन्हें दे दी। यह देख चोर लज्जित हुए। वे एकनाथ जी के चरणों में गिर गए और उन्होंने कभी चोरी न करने का संकल्प लिया।

इजरायल-ईरान युद्ध में परमाणु हथियारों की चर्चा पर दुनियाँ सहमी

तो कुछ देशों ने पर्दे के पीछे समर्थन देकर लड़ाई करने वाले देशों को बढ़ावा दे रहे हैं, मेरा मानना है इसे बंद कर शांति की ओर कदम बढ़ाना चाहिए। हमारे पीएम साहब भी हमेशा यही अपील करते रहते हैं। परमाणु वेपंस का उपयोग हुआ तो मेरे विचार से पूरी दुनियाँ दहल जाएगी। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, इजरायल ईरान सैन्य टकराव खतरनाक मोड़ पर पहुंच?

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर वर्तमान समय में दो दो देशों में बहुत लंबे समय से चल रहे युद्ध के पीछे चल रही ताकतों को सब जानते हैं, क्योंकि कोई भी देश के लिए सिर्फ अपने अकेले के बल पर इतनी ताकत से लंबी लड़ाई लड़ना संभव नहीं है, हालांकि सब जानते हैं कि इन युद्धों के पीछे कौन सी ताकत है खड़ी है? मेरा मानना है कि इन ताकतों को अपने स्टेटस को छोड़कर, दो-दो कदम आगे पीछे होकर मामला उलझा कर युद्ध विराम को प्राथमिकता देना जरूरी है,वरना किसी भी देश ने परमाणु वेपंस के इस्तेमाल की शुरुआत की तो लपेटेमें पूरी दुनियाँ आ जाएगी, जिसका परिणाम हिरोशिमा नागासाकी से भी भयंकर आने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। इसलिए मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र से इस आर्टिकल के माध्यम से पर्दे के पीछे सभी देशों, गुटों से अनुरोध करना चाहूंगा कि वह अंध समर्थन बंद कर सुलह का रास्ता निकालकर इजरायल- ईरान- हमास, रूस-यूक्रेन सहित अनेकों देशों में आपसी टकराव को सुलझाने के लिए आगे आए ताकि पूरी दुनियाँ एक जंग का अखाड़ा ना बन सके, क्योंकि कुछ देश खुलकर समर्थन में आ रहे हैं तो कुछ देशों ने पर्दे के पीछे समर्थन देकर लड़ाई करने वाले देशों को बढ़ावा दे रहे हैं, मेरा मानना है इसे बंद कर शांति की ओर कदम बढ़ाना चाहिए। हमारे पीएम साहब भी हमेशा यही अपील करते रहते हैं। परमाणु वेपंस का उपयोग हुआ तो मेरे विचार से पूरी दुनियाँ दहल जाएगी। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, इजरायल ईरान सैन्य टकराव खतरनाक मोड़ पर पहुंच?दुनियाँ दो गुटों में बंटने की ओर बढ़ी, तीसरे विश्व युद्ध की आहट?

साथियों बात अगर हम इजरायल ईरान युद्ध की करें तो दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर पहुंच चुकाहै,इजरायल और ईरान के बीच 13-14 जून 2025 को शुरू हुआ सैन्य टकराव अब खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है, इजरायल की ओर से तेहरान में परमाणु सुविधाओं और सैन्य ठिकानों पर किए गए हवाई हमलों ने ईरान को भारी नुकसान पहुंचाया,जबकि ईरान ने जवाबी कार्रवाई में इजरायल के तेल अवीव, हाइफा और बेन गुरियन एयरपोर्ट पर बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन हमले किए। इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष हर बीतते घंटे के

साथ और बढ़ता जा रहा है,सोमवार देर शाम को इजरायल ने एक बार फिर मध्य ईरान पर हवाई हमले किए, इधर ईरान ने भी इजरायल पर अब तक लगभग 400 बैलेस्टिक मिसाइलें दागने का दावा किया है, वहीं एक न्यूज से इजरायल के पीएम ने कहा है कि खामेनेई के खात्मे के साथ ही क्षेत्र में शांति आएगी। इजराइल और ईरान के बीच लगातार चौथे दिन संघर्ष जारी है। इजराइल ने सोमवार शाम सेंट्रल ईरान पर फिर से एयरस्ट्राइक की। इजराइल एयरफोर्स ने ईरानी की राजधानी तेहरान में नेशनल टीवी न्यूज चैनल इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग की बिल्डिंग पर बम गिराए। घटना के समय टीवी एंकर लाइव शो होस्ट कर रही थी। वह बम धमाके में बाल-बाल बच गई। घटना का वीडियो भी सामने आया, जिसमें एंकर को स्टूडियो से भागते हुए देखा गया।

साथियों बात अगर हम इजरायल -ईरान के भयावह होते युद्ध को हम 10 प्वाइंटों में समझने की करें तो (1) इजरायल और ईरान के बीच तनाव चरम पर है और दोनों देशों के बीच युद्ध जारी है,इजरायल ने ईरान पर बड़ा हमला किया, जिसमें ईरान के परमाणु ठिकानों और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया. ईरान ने इजरायल के हमले का जवाब देने के लिए ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस लॉन्च किया है, इसके तहत ईरान ने इजरायल पर 100 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, इजरायल की सेना ने अपने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे सुरक्षित स्थानों पर शरण लें, (2) वहीं, रविवार को एक बार फिर इजरायल के आसमान में ईरानी मिसाइलों की बौछार हुई, जबकि दोनों देशों के बीच संघर्ष जारी है, इजरायल की सेना ने कहा कि ईरान की मिसाइलें आ रही हैं, यरुशलम में सायरन की आवाजें सुनाई दे रही हैं, जबकि कई वीडियो में तेल अवीव और यरुशलम के आसमान पर मिसाइलें दिखाई दे रही हैं और उनमें से कई को इजरायल की वायु रक्षा प्रणाली द्वारा रोक दिया गया है,(3) ईरान ने शिराज शहर से इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइलों की बारिश कर दी है, जिससे उत्तर में हाइफ़ा से लेकर दक्षिण में ईलाट तक लगभग पूरे इज़राजल में रेड अलर्ट जारी किया गया. तेल अवीव, यरुशलम, बेयर शेवा, हाइफ़ा और दर्जनों अन्य शहरों में हवाई हमले के सायरन की आवाज सुनी गई, (4) सेना ने कहा है कि ईरानी मिसाइलों की बौछार से इजरायल में कई जगहों पर हमला हुआ है. आरटी इंटरनेशनल की एक पोस्ट के अनुसार, ईरान के हमलों के बाद हाइफा शहर में भीषण आग देखी गई,इसने अनाम इजरायली अधिकारियों के हवाले से बताया कि अब तक इस हमले में चार लोग घायल हुए हैं, (5) ईरान में भी नज़ारा कुछ अलग नहीं है. तेहरान से आई तस्वीरों में रात के समय आसमान में ईंधन डिपो में लगी आग की लपटें दिखाई दे रही हैं। यह आग इजरायल द्वारा ईरान के तेल और गैस क्षेत्र पर हमले शुरू करने के बाद लगी है, इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था और ईरानी राज्य के कामकाज पर खतरा बढ़ गया है। (6) ईरान ने शनिवार की देर रात तेल अवीव द्वारा ईरानी परमाणु संयंत्रों, मिसाइल कारखानों और सैन्य कमांड केंद्रों पर किए गए हमले के जवाब में इजरायल के हाइफा पोर्ट और पास की एक तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया, हवाई हमलों में शीर्ष सैन्य कमांडर और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। (7) हाइफा शहर के स्काईलाइन पर मिसाइलें नजर आईं, जिससे वहां के लोग दहशत में थे, ईरान लगातार बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन से हमला करता रहा और इजरायल का एयर डिफेंस सिस्टम आयरन डोम इन मिसाइलों को हवा में ही इंटरसेप्ट करने में जुट गया,(8) पोर्ट पर रासायनिक टर्मिनल में छर्रे गिरे और कुछ अन्य मिसाइल तेल रिफाइनरी पर गिरे, लेकिन पोर्ट की सुविधाओं को कोई नुकसान नहीं हुआ, बताया जाता है कि रिफाइनरी पोर्ट से कुछ दूरी पर है, हाइफा पोर्ट उत्तरी इजरायल में स्थित एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय पोर्ट है, जो दक्षिण की तुलना में अपेक्षाकृत कम अस्थिर क्षेत्र है. यह देश के आयात और निर्यात दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण पोर्ट है, (9) ईरान द्वारा लगातार दूसरी रात इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने के बाद तनाव में वृद्धि हुई है. ईरानी सरकारी मीडिया ने दावा किया है कि हाइफा तेल रिफाइनरी पर सीधा हमला हुआ है।

आतंकवाद पर नियंत्रण: एक जटिल कवायद

'इस्लामिक आतंकवाद' शब्द अमरीकी मीडिया ने गढ़ा था और बाद में दुनिया भर में इसका इस्तेमाल इस्लाम को आतंकवाद से जोड़ने के लिए किया जाने लगा. वैसे आतंकी घटनाओं को तो परिभाषित किया गया है, लेकिन आतंकवाद को परिभाषित करना आसान नहीं है और इस प्रवृति से संबंधित क्रियाकलापों से जुड़ी संयुक्त राष्ट्रसंघ की संस्थाएं भी अब तक इसे परिभाषित नहीं कर सकी हैं. जहां तक भारत का सवाल है, यहां ब्रेनवाश किए गए मुस्लिम युवकों द्वारा हत्यायों का विक्षिप्तापूर्ण कार्य लंबे समय से चल रहा है.

राम पुनियानी

पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की श्रृंखलाबद्ध प्रतिक्रिया हुई और पाकिस्तान में आंतकी अड्डों को निशाना बनाया गया. अब, संघर्षविराम लागू हो चुका है, इसलिए यह इस बात पर विचार करने के लिए उचित समय है कि समाज में व्याप्त इस कैंसर जैसी प्रवृत्ति का मुकाबला कैसे किया जाए. 9/11/2011 को ट्विन टावर्स पर हुए आतंकी हमले में 2000 से अधिक लोगों की मौत के बाद से यह मुद्दा अधिक चर्चा में है. 'इस्लामिक आतंकवाद' शब्द अमरीकी मीडिया ने गढ़ा था और बाद में दुनिया भर में इसका इस्तेमाल इस्लाम को आतंकवाद से जोड़ने के लिए किया जाने लगा. वैसे आतंकी घटनाओं को तो परिभाषित किया गया है, लेकिन आतंकवाद को परिभाषित करना आसान नहीं है और इस प्रवृत्ति से संबंधित क्रियाकलापों से जुड़ी संयुक्त राष्ट्रसंघ की संस्थाएं भी अब तक इसे परिभाषित नहीं कर सकी हैं. जहां तक भारत का सवाल है, यहां ब्रेनवाश किए गए मुस्लिम युवकों द्वारा हत्यायों का विक्षिप्तापूर्ण कार्य लंबे समय से चल रहा है. भारत में 26/11/2008 को मुंबई पर हमला हुआ जिसमें करीब 200 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी. इसका सबसे दिलचस्प पहलू यह था कि महाराष्ट्र एटीएस के प्रमुख हेमंत करकरे भी इस हमले में मारे गए थे.

इसके समानांतर हमने पहले नांदेड़ (2006) और उसके बाद चार आतंकी हमले देखे – मालेगांव, अजमेर, मक्का मस्जिद और समझौता एक्सप्रेस. मालेगांव के मामले में एनआईए ने पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर को मौत की सजा दिए जाने की मांग की है, जिनकी मोटरसाईकिल का इस हमले के लिए इस्तेमाल किया गया था. इसके अलाव ले. कर्नल पुरोहित पर भी मुकदमा चल रहा है और इसमें स्वामी असीमानंद, मेजर (सेवानिवृत्त) उपाध्याय और हिन्दुत्व राजनीति से जुड़े कई अन्य लोगों का नाम भी सामने आया. भारत इन आतंकी घटनाओं का सामना कर रहा है और यह जरूरी है कि हम वैश्विक आतंकवाद की जड़ों और उसके भारत पर पड़े प्रभाव पर गहन चिंतन करें. आतंकी हमलों से निपटने के लिए की गई सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान लगाए जा रहे हैं. पहले पुलवामा और अब पहलगाम के आतंकी हमलों ने हमारी कमियों को उजागर किया है, और कुछ ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जिनके संबंध में वैश्विक संस्थाओं से तालमेल करके इनमें से कई कमियों को दूर किया जा सकता है.

एक बात तो यह है भारत में आतंकी हमले करने वाले संगठन पाकिस्तान केन्द्रित हैं. पाकिस्तान की दयनीय दशा है, क्योंकि वह न केवल आतंकी हमलों का केन्द्र है बल्कि स्वयं भी इस नीचतापूर्ण प्रवृत्ति का शिकार है. वर्तमान में कश्मीर आतंकी हमलों के निशाने पर है. कश्मीर में इस समय जारी इस त्रासदी की प्रमुख कर्ताधर्ता उन आतंकी समूहों की शाखाएं हैं जो अफगानिस्तान पर सोवियत संघ द्वारा कब्जा किए जाने के बाद इसकी खिलाफत के लिए अमरीका द्वारा खड़ी की गई थीं.

चूंकि अमेरिका अफगानिस्तान पर काबिज सोवियत सेना का सीधा सामना करने की स्थिति में नहीं था, इसलिए उसने पाकिस्तान में मदरसों की मदद की, उन्हें बढ़ावा दिया, जिनमें मुस्लिम युवकों को प्रशिक्षण दिया जाने लगा. इसके नतीजे में तालिबान और उसके जैसे संगठन अस्तित्व में आए. महमूद ममदानी गहन शोध पर आधारित अपनी पुस्तक 'गुड मुस्लिम बेड मुस्लिम' में बताते हैं कि इन मदरसों का पाठ्यक्रम किस प्रकार अमरीका में तैयार किया गया था जिसमें कम्युनिस्टों को काफिर बताया गया था. काफिरों का कत्ल करना एक लक्ष्य और एक उपलब्धि बताया गया था, और ऐसा करने में यदि जान से हाथ धोना पड़े, तब भी यह चिंताजनक नहीं माना गया था क्योंकि इसके बाद जन्नत मिलना निश्चित था. अमेरिका ने इन मदरसों पर 8 अरब डालर खर्च किए और आतंकियों को 7000 टन हथियार और गोला-बारूद मुहैया कराए, जिनमें आधुनिकतम स्ट्रिंगर मिसाइल भी शामिल थीं.

इस आतंकी प्रवृत्ति को बढ़ावा देकर अमरीका पश्चिम एशिया के तेल के कुओं पर नियंत्रण करना चाहता था, जिसके कारण भयावह हालात उत्पन्न हुए और इस इलाके में तबाही आई. स्मरणीय है कि इसी दौर में हटिंगटन के 'सभ्यताओं के टकराव' के सिद्धांत ने जोर पकड़ा. यह तो दुनिया की खुशकिस्मती थी कि तत्कालीन संयुक्त राष्ट महासचिव कोफी अन्नान ने एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया जिसे 'सभ्यताओं के टकराव' के विचार के अध्ययन का कार्य विशेष तौर पर सौंपा गया.

समिति ने 'सभ्यताओं के गठबंधन' के विचार पर केन्द्रित रपट पेश की जिसका यह निष्कर्ष था कि सभ्यताओं के गठबंधन से दुनिया में तरक्की हुई है. विभिन्न पक्षों ने इस रपट को पर्याप्त महत्व नहीं दिया. आतंकी घटनाओं से उत्पन्न हुआ इस्लामोफोबिया और अमरीकी मीडिया की नकारात्मक भूमिका का इतना प्रबल प्रभाव हुआ कि कई जगहों पर कुरान की प्रतियां जलाईं गईं.

प्रसिद्धि से दूर रहने की वृत्ति बाला साहब देवरस

हेमेन्द्र क्षीरसागर

बाला साहब देवरस का बाला साहब नाम उन्हें उनके परिवार और करीबी लोगों द्वारा प्यार से दिया गया एक उपनाम था, जो उनके वास्तविक नाम मधुकर दत्तात्रेय देवरस के साथ जुड़ या। बाला साहब एक लोकप्रिय मराठी शब्द है जिसका उपयोग छोटे लड़कों या प्रियजनों के लिए किया जाता है। यह उनके मिलनसार और स्नेही स्वभाव को दर्शाता है। 11 दिसम्बर 1915 को नागपुर में जन्मे बाला साहब देवरस पार्वती बाई- कृष्णराव देवरस की आठवीं संतान थे। 1925 में बालसाहेब ने शाखा जाना प्रारम्भ कर दिया। स्थायी रूप से उनका परिवार मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के आमगांव के निकटवर्ती ग्राम कारंजा का था। अभीष्ट, बाला साहब की स्मृतियां, सेवा और आयाम से प्रतिबद्ध पावन भूमि में बाल-भाऊ देवरस न्यास संचालित है। न्यास आर्थिक विकास, खेती प्रचार व प्रशिक्षण, महिला बचत गट प्रशिक्षण केंद्र, फलोद्यान प्रशिक्षण कार्यक्रम, दुग्ध व्यवसाय प्रशिक्षण कार्यक्रम, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में अरोग्य चिकित्सा शिविरों का आयोजन जनकल्याण के निहितार्थ करता है। दौरान, उनकी सम्पूर्ण शिक्षा नागपुर में ही हुई। न्यू इंगलिश स्कूल मे उनकी प्रारम्भिक शिक्षा हुई। संस्कृत और दर्शनशास्त्र विषय लेकर मौरिस कालेज से बालसाहेब ने 1935 में बीए किया। दो वर्ष बाद उन्होंने विधि की परीक्षा उत्तीर्ण की। विधि स्नातक बनने के बाद बालसाहेब ने दो वर्ष तक अनाथ विद्यार्थी बस्ती गृह मे अध्यापन कार्य किया। इसके बाद उन्हें नागपुर मे नगर कार्यवाह का दायित्व सौंपा गया। 1965 में उन्हें सरकार्यवाह का दायित्व सौंपा गया जो 6 जून 1973 तक उनके पास रहा। श्री गुरूजी के स्वर्गवास के बाद 6 जून 1973 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तृतीय सर संघचालक के दायित्व को ग्रहण किया। उनके कार्यकाल में संघ कार्य को नई दिशा मिली। उन्होंने सेवाकार्य पर बल दिया परिणाम स्वरूप उत्तर पूर्वांचल सहित देश के वनवासी क्षेत्रों के हजारों की संख्या में सेवाकार्य आरम्भ हुए। बालासाहब देवरस ने अपना जीवन समाज एवं देशसेवा को समर्पित कर दिया था। शिक्षा क्षेत्र में सबसे अग्रणी सरस्वती शिशु मंदिर योजना भाऊराव देवरस की ही देन है। समर्पित, डाक्टर जी का स्वास्थ्य अधिक खराब होने के चलते बालासाहब को 1940 में कलकत्ता से वापस बुला लिया गया । देशभर के विभिन्न स्थानों पर प्रचारक भेजने की जिम्मेदारी नागपुर शाखा की ही सर्वाधिक रहती थी। स्वयंसेवक को उस हेतु गढ़ना, किसे कहाँ भेजना यह जिम्मेदारी बाला साहब उत्तम रीति से संभालते थे। डाक्टर जी के निर्देश पर 1937 से 1940 के बीच गुरूजी संघ कार्य में पूरी तरह डूब गए थे। शाखा पर होने वाले गणगीत, प्रश्नोत्तर आदि की उन्होंने ही शुरुआत की। संघ के कार्यक्रमों में मां भारती, डां हेडगेवार तथा श्री गुरुजी के चित्र लगते हैं। बालासाहब के सर संघचालक बनने पर कुछ लोग उनका चित्र भी लगाने लगे; पर उन्होंने इसे रोक दिया। यह उनकी प्रसिद्धि से दूर रहने की वृत्ति का ज्वलन्त उदाहरण है। साहस, 1975 में संघ पर लगे प्रतिबन्ध का सामना उन्होंने धैर्य से किया। वे आपातकाल के पूरे समय पुणे की जेल में रहे; पर सत्याग्रह और फिर चुनाव के माध्यम से देश को इन्दिरा गांधी की तानाशाही से मुक्त कराने की इस चुनौती में संघ सफल हुआ। मधुमेह रोग के बावजूद 1994 तक उन्होंने यह दायित्व निभाया। इस दौरान उन्होंने संघ कार्य में अनेक नये आयाम जोड़े। इनमें सबसे महत्वपूर्ण निर्धन बस्तियों में चलने वाले सेवा के कार्य हैं। इससे वहाँ चल रही धर्मान्तरण की प्रक्रिया पर रोक लगी। स्वयंसेवकों द्वारा प्रान्तीय स्तर पर अनेक संगठनों की स्थापना की गई। बालासाहब ने वरिष्ठ प्रचारक देकर उन सबको अखिल भारतीय रूप दे दिया। स्वास्थ्य के कारण उन्होंने 1994 में सर संघचालक का दायित्व त्याग दिया था।

खास बात

न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ नहीं चलेगा महाभियोग

इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के खिलाफ संसद में महाभियोग पेश नहीं हो पाएगा। नियमों को लेकर जो सवाल कपिल सिब्बल ने उठाए हैं। उसके अनुसार सुप्रीम कोर्ट को इन हाउस कमेटी बनाकर जांच करके जस्टिस वर्मा को हटाना होगा। राज्यसभा के उपसभापति जगदीप धनखड़ ने जांच पर आपत्ति जताई है। संसद में महाभियोग पेश करके दोनों सदनों के दो तिहाई सदस्यों के बहुमत पर ही न्यायमूर्ति वर्मा को हटाया जा सकता है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी जज इंक्वारी एक्ट के तहत न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने की बात कह रहे हैं। यदि ऐसा नहीं हुआ तो संसद में महाभियोग पर कांग्रेस और सपा का मत अलग रहेगा वह अपना समर्थन नहीं देंगे दो तिहाई बहुमत यदि नहीं हुआ तो न्यायमूर्ति वर्मा को नही हटाया जा सकेगा। न्यायमूर्ति वर्मा यह जानते हैं इसलिए उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया। सब कुछ सामने होते हुए भी जस्टिस वर्मा जज बने रहेंगे। यही सत्य है।

नोटों की बरामदी नहीं, जांच में क्या साबित होगा

दिल्ली के पूर्व हाईकोर्ट जज यशवंत वर्मा की निवास पर नोट जलने की घटना हुई थी। इसके बाद उनका ट्रांसफर इलाहाबाद हाईकोर्ट कर दिया गया। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने उन्हें इस्तीफा देने कहा था। जस्टिस वर्मा ने इस्तीफा नहीं दिया। इसके बाद महाभियोग लाने अथवा जांच के द्वारा हटाने की बात कही जा रही है। बर्मा के यहां से नातो जले हुए नोट पुलिस ने जप्त किये हैं। नाही उनके निवास स्थान से नोट जप्त हुए हैं। किसी भी जांच एजेंसी में उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज नहीं है। ऐसी स्थिति में इन हाउस जांच हो, या महाभियोग चले।

राजनीतिक दलों कोआरोपी बनाएगी ईड़ी

ईड़ी ने छत्तीसगढ़ के सुकमा कांग्रेस कार्यालय को अटैच कर लिया है। शराब घोटाले के मामले में पूर्व मंत्री लखमा को ईड़ी ने आरोपी बनाया है। उन्होंने कांग्रेस कार्यालय के लिए 65 लाख दिए थे। इस आधार पर कांग्रेस कार्यालय को ईड़ी ने सीज कर लिया है। शराब घोटाले के मामले में पहले भी आम आदमी पार्टी को लेकर इसी तरीके की बात कही जा रही थी। शराब घोटाले का पैसा पंजाब और गोवा के चुनाव में खर्च हुआ है। उस समय ऐसी कोई कार्रवाई नहीं हुई। नेशनल हेराल्ड का मामला अभी चल रहा है। चुनाव के समय कांग्रेस पार्टी का खाता आयकर विभाग द्वारा सीज कर दिया गया था। बाद में न्यायालय के आदेश पर अटैचमेंट खत्म हुआ था। अब यह माना जा रहा है।

बिहार का विधानसभा चुनाव, पिछड़ी और अतिपिछड़ी पर लड़ा जाएगा?

बिहार विधानसभा का चुनाव इस वर्ष के अंत में होना है। विधानसभा चुनाव के लिए रणभेरी बज गई है। इस बार का विधानसभा चुनाव पिछडी और अति पिछडी जातियों के सहारे लड़ा जाएगा। बिहार में पिछली जातियों की आबादी लगभग 36 फ़ीसदी है। ऐसी स्थिति में चुनाव के पहले पिछड़ी जातियों को उपजातियों में बाँटकर अथवा सभी पिछड़ी जातियों को एकजुट करके चुनाव लड़ने की रणनीति राजनीतिक दलों द्वारा तैयार की जा रही है। जिसके कारण बिहार विधानसभा के चुनाव इस बार काफी रोचक होंगे। चुनाव की भैंस किस करवट बैठेगी, इसको लेकर अभी से तरह-तरह के कयास लगाये जा रहे हैं। बिहार के आने वाले चुनाव में पिछड़ों का ही बोलबाला रहने वाला है। चाहे राजनीतिक दल कोई भी हो।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, आषाढ़ कृष्ण पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु अस्त, पश्चिमे गुरु उदय पूर्वे तिथी, सप्तमी, बुधवासरे, पू.भाद्र पद नक्षत्रे, प्रीत/आद्र योगे, वव करणे, कुंभ की चंद्रमा, शनि खंड, वृष्टि योग, त्रिपुस्कर योग, व्यापार उग्रकर्म मुर्हूत, तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ तथा उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, तथा सोने चांदी का व्यापारी, उद्योगपति, चूने का व्यापारी, तथा हीरा, जरकिन, डायमंड एवं मोती का व्यापारी होगा।

मेष- इष्ट मित्रों से लाभ, स्त्री वर्ग से भोग ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी, रुके कार्य एक एक करके बनेंगे।

वृष- अपने प्रत्येक कार्य में बाधा, लाभकारी कार्य, हाथ से निकल जाये, संभलकर चले।

मिथुन- धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष, कार्यगति में सुधार, कार्य अनुकूल बन जायेंगे।

कर्क- योजनाएं फलीभूत होगी, दैनिक सफलता के साधन जुटाए, प्रलोभन से आप बचेंगे।

सिंह-प्रतिष्ठा बाल बाल बचे, अनेक समस्याएं असमंजस में रहे, तथा कार्य की बैचेनी बढ़ेगी।

कन्या- स्त्री वर्ग से तनाव के बाद, शांति तथा भाग्य का सितारा साथ देगा, मानसिक प्रसन्नता होगी।

तुला- भाग्य का सितारा साथ देगा, समय अनुकूल है कार्य कुशलता से संतोष अवश्य होगा।

वृश्चिक- आर्थिक योजना सफल होगी, समय पर सोचे कार्य बनेंगे, कार्य योजना पर विचार होगा।

धनु- अर्थलाभ कार्यकुशलता से बाधा स्वास्थ्य नरम रहे, पराक्रम, उत्साह वर्धक होगा।

मकर-उदविघ्नता बनी ही रहेगी, किसी उत्तम समाचार से हर्ष होगा तथा प्रसन्नता बनी ही रहेगी।

कुम्भ- विरोधियों से परेशानी, चिन्ता व्यग्रता बनी रहे, विपरीत परिस्थितियां का सामना करना होगा।

मीन- आय व्यय सामान्य, शारीरिक कष्ट कार्य क्षमता में भेद होगा, कार्य में रुकावट बनेगी।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

18 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	मिथुन	05.02 बजे से
चंद्र	कुंभ में	कर्क	07.20 बजे से
मंगल	सिंह में	सिंह	09.36 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	11.48 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	13.59 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	16.13 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.29 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.34 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.21 बजे से
राहुकाल		मीन	23.54 बजे से
12.00 से 1.30		मेष	01.24 बजे से
बजे तक		वृष	03.04 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 169 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 13.35 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाभाद्रपदा 00.23 बजे रात्र को समाप्त। **योग** प्रीति 07.40 बजे को समाप्त। **करण** बव 13.35 बजे तदनन्तर बालव 00.49 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 24' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872379 **जूलियन दिन** 2460844.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 21 **विशेष** कालाष्टमी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

मुल्तानी मिट्टी के मास्क को बहुत देर तक स्किन पर लगाकर छोड़ने की गलती नहीं करनी चाहिए। दरअसल, जब मिट्टी पूरी तरह सूख जाती है, तो वो त्वचा की सारी नमी खींच लेती है। ध्यान रखें कि जैसे ही मिट्टी हल्की सूखी दिखे, तो उसे धो लो। मास्क के लिए 10-15 मिनट काफी होते हैं।

चेहरे पर मुल्तानी मिट्टी लगाते समय ना करें ये छोटी-छोटी गलतियां

अपनी स्किन की केयर करने के लिए हम सभी कई तरह के इंग्रीडिएंट्स का इस्तेमाल करते हैं। इन्हीं में से एक है मुल्तानी मिट्टी। खासतौर से, ऑयली स्किन के लिए मुल्तानी मिट्टी का इस्तेमाल करना काफी अच्छा माना जाता है। इससे ना केवल चेहरे को ताजगी मिलती है, बल्कि एक चमक भी आती है। अक्सर अपनी स्किन को ठंडक देने और उसे पैम्पर करने के लिए हम मुल्तानी मिट्टी को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल करते हैं।

इस बात में कोई दोराय नहीं है कि मुल्तानी मिट्टी आपकी स्किन के लिए बहुत अधिक फायदेमंद है। लेकिन इसे सही तरह से इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। अगर आप इसे गलत तरीके से अपनी स्किन पर अप्लाई करती हैं, तो ये चेहरे को निखारने के बजाय और ज्यादा रूखा-सूखा और बेजान बना सकती है। जी हां, मुल्तानी मिट्टी भले ही नेचुरल हो, लेकिन इसे लगाने का भी एक सही तरीका होता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको मुल्तानी मिट्टी को चेहरे पर लगाते समय की जाने वाली कुछ छोटी-छोटी गलतियों के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आपको वास्तव में बचना चाहिए-

मास्क को बहुत देर तक लगाए रखना

मुल्तानी मिट्टी के मास्क को बहुत देर तक स्किन पर लगाकर छोड़ने की गलती नहीं करनी चाहिए। दरअसल, जब मिट्टी पूरी तरह सूख जाती है, तो वो त्वचा की सारी नमी खींच लेती है। ध्यान रखें कि जैसे ही मिट्टी हल्की सूखी दिखे, तो उसे धो लो। मास्क के लिए 10-15 मिनट काफी होते हैं।

बिना टेस्ट किए लगाना

हर किसी की त्वचा अलग होती है। किसी को एलर्जी भी हो सकती है। इसलिए पहली बार में ही मुल्तानी मिट्टी को पूरे चेहरे पर लगाने से बचना चाहिए। हमेशा पहले थोड़ा सा पेस्ट हाथ या कान के पीछे लगाकर देखो। अगर आपको किसी तरह की जलन या रेडनेस का अहसास हो रहा है तो इसे अवॉयड करें।

हर दिन मुल्तानी मिट्टी लगाना

यह सच है कि मुल्तानी मिट्टी स्किन को फायदा पहुंचाती है, लेकिन इसे हर दिन लगोन से बचना चाहिए। मुल्तानी मिट्टी रोज़ाना लगाने वाली चीज नहीं है, खासकर अगर त्वचा ड्राय या सेंसिटिव हो। इससे आपकी स्किन को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, मास्क को हफ्ते में 1 या 2 बार ही लगाएं।

सिर्फ मुल्तानी मिट्टी ही लगाना

भले ही आप मुल्तानी मिट्टी का मास्क बना रही हैं, लेकिन उसमें सिर्फ पानी मिक्स करके नहीं लगाना चाहिए। यह आपकी स्किन पर थोड़ा हार्श हो सकता है। हमेशा अपने स्किन टाइप के हिसाब से कुछ इंग्रीडिएंट्स मिक्स करों। मसलन, अगर आपकी स्किन ड्राई है तो आप शहद, दूध या एलोवेरा मिक्स करें। ऑयली स्किन के लिए मुल्तानी मिट्टी के साथ गुलाब जल, नींबू का रस, चंदन पाउडर का इस्तेमाल करना अच्छा माना जाता है। अगर आपकी स्किन संसेटिव है तो ऐसे में खीरे का रस या दही इस्तेमाल करें।

दुल्हन के पैरों के लिए परफेक्ट हैं ये 5 मेहंदी डिजाइंस, हर कोई कह उठेगा वाह

पैरों की मेहंदी पर भी उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है, जितनी की हाथों की मेहंदी पर होती है। लेकिन जब पैरों की मेहंदी लगाने की बारी आती है, तो यह समझ नहीं आता है कि ऐसी कौन सी मेहंदी डिजाइन लगाई जाए, जिससे कम समय में पैरों को खूबसूरत डिजाइन से भरा जा सके।

हाथों के अलावा दुल्हन के पैरों की मेहंदी डिजाइन पर भी लोगों की निगाहें टिकी रहती हैं। पैरों की मेहंदी पर भी उतनी ही मेहनत करनी पड़ती है, जितनी की हाथों की मेहंदी पर होती है। लेकिन जब पैरों की मेहंदी लगाने की बारी आती है, तो यह समझ नहीं आता है कि ऐसी कौन सी मेहंदी डिजाइन लगाई जाए, जिससे कम समय में पैरों को खूबसूरत डिजाइन से भरा जा सके। ऐसे में हम आपको लिए पैरों में लगाई जाने वाली मेहंदी की कुछ बेहद खूबसूरत डिजाइंस के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में अगर आपकी भी जल्द ही शादी होने वाली है, तो आप भी इन मेहंदी डिजाइन्स को पैरों पर लगवा सकती हैं।

मोर वाली मेहंदी डिजाइन

आप हाथों के साथ पैरों पर भी मोर डिजाइंस बना सकती हैं। अगर आपके पैर लंबे हैं, तो आप बड़े-बड़े मोर की डिजाइन बनानी चाहिए। वहीं अगर आपके पैर छोटे हैं, तो आप पतले और पंख फैलाए मोर की आकृति भी बना सकती हैं। मोर के अलावा आप पैरों में बगीचे का भी डिजाइन बना सकती हैं। इस डिजाइन में आप पेड़-पौधे, फूल, झरोखे और फाउंटेन आदि बना सकती हैं। इससे मेहंदी भी भरी नजर आएगी।

जाल मेहंदी डिजाइन

जाल मेहंदी डिजाइन लगाने में आसान होने के साथ काफी खूबसूरत भी लगती है। कम समय में इस डिजाइन से आपके पैर इतने भर जाएंगे कि आपको दूसरी डिजाइन के बारे में सोचना भी नहीं पड़ेगा। जाल मेहंदी डिजाइन में आपको बहुत सारे पैटर्न मिल जाएंगे। आप बॉर्डर, फूलों, ब्लॉक्स और बेल आदि की डिजाइन बना सकती हैं। वहीं जाल को भरने के लिए अलग तरह की डिजाइस के एलिमेंट्स का भी प्रयोग कर सकती हैं। अगर आपने पंजे को जाल वाली डिजाइन से भर दिया है, तो आप ऊपर की ओर मेहराब, चक्र और बॉर्डर डिजाइंस लगा सकती हैं।

झूमर मेहंदी डिजाइन

झूमर मेहंदी डिजाइन देखने में काफी अच्छी लगती है। यदि आप इसको पैरों में लगा रही हैं, तो यह रॉयल टच देगी। पैरों के साइज के आधार पर आप छोटे या बड़े झूमर बना सकती हैं। झूमर के साथ ही हाथ और घोड़ा का डिजाइन काफी ज्यादा अच्छा लगता है। झूमर के साथ बारात-डोली और छतरियां आदि की डिजाइंस भी बनवा सकती हैं। यह मेहंदी को ज्यादा वेडिंग टच देती है।

ब्लॉक मेहंदी डिजाइन

अगर आप कम समय में दुल्हन के पैरों को यूनिक डिजाइन से सजाना चाहती हैं, तो आप ब्लॉक मेहंदी डिजाइन लगा सकती हैं। इस मेहंदी डिजाइन में अलग-अलग तरह के ब्लॉक लॉक्स बना सकती हैं। यह ब्लॉक्स कस्टमाइज भी हो सकते हैं। आप मेहंदी डिजाइन पर अपने प्यार की कोई निशानी बनवा सकती हैं। इस तरह के मेहंदी डिजाइन पैरों में काफी अच्छी लगती है। वहीं आप ब्लॉक मेहंदी को सपोर्ट करने के लिए इसमें बॉर्डर मेहंदी या फिर स्पाइरल बेल मेहंदी डिजाइन बनवा सकती हैं।

बेल मेंहदी डिजाइन

इस तरह ही मेहंदी डिजाइन में आपको बहुत सारे पैटर्न मिल जाएंगे। हालांकि पैरों पर फूलों की बेल या अरेबिक इतनी ज्यादा अच्छी नहीं लगती है। लेकिन पैरों में बॉडर और बारीक मेहंदी का मिश्रण काफी अच्छा लगता है। ऐसे में अगर आप पैरों में बेल मेहंदी लगाने जा रही हैं, तो थोड़ा फूल-पत्तियों को बड़ा बनाएं। आप चाहें तो पैरों पर कमल या फिर गुलाब की बेल बना सकती हैं। वहीं इसको ज्यादा खूबसूरत बनाने के लिए पराग, लताएं और केरियां आदि भी बना सकती हैं।

जींस के साथ स्टाइल करें बांधनी शॉर्ट कुर्ती, स्टाइलिश दिखने के साथ लगेंगी खूबसूरत

आप जींस के साथ बांधनी प्रिंट वाली कुर्ती को वियर कर सकती हैं। इस तरह की कुर्ती पहनने से आपका लुक काफी अच्छा लगेगा। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह के प्रिंट वाली बांधनी प्रिंट को ट्राई कर सकती हैं।

कुर्ती पहनना लगभग हर लड़की को पसंद होता है। जिसके लिए वह अक्सर अलग-अलग डिजाइन और पैटर्न वाली कुर्तियां पहनती हैं। लेकिन जब भी जींस के साथ कुर्ती पहनने की बात होती है, तो अक्सर प्रिंटेड डिजाइन वाली कुर्ती तलाश करते हैं। ऐसे में आप जींस के साथ बांधनी प्रिंट वाली कुर्ती को वियर कर सकती हैं। इस तरह की कुर्ती पहनने से आपका लुक काफी अच्छा लगेगा। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह के प्रिंट वाली बांधनी प्रिंट को ट्राई कर सकती हैं।

गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती

अगर आप भी अपने लुक को अट्रैक्टिव बनाना चाहती हैं, तो आपको गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती कैरी करनी चाहिए। गोटा वर्क वाली बांधनी प्रिंट कुर्ती में आपको नेकलाइन पर गोटा वर्क मिलेगा और स्लीव्स पर भी बॉर्डर मिलेगा। मार्केट में इस तरह की कुर्ती 300-800 रुपए तक मिल जाएगी।

प्लेन डिजाइन वाली बांधनी कुर्ती

यदि आप भी शॉर्ट कुर्ती पहनने के लिए प्रिंट सर्च कर रही हैं, तो आपको प्लेन डिजाइन वाली बांधनी कुर्ती स्टाइल करनी चाहिए। यह कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगेगी। हालांकि इसमें आपको किसी तरह का वर्क नहीं मिलेगा। इसमें आपको वी नेकलाइन और प्रिंटेड डिजाइन मिलेगा। इससे आपका लुक बहुत प्यारा आएगा। मार्केट में यह कुर्ती 200-400 रुपए के बीच मिल जाएगी।

स्ट्रैपलेस वाली बांधनी कुर्ती

आप चाहें तो स्ट्रैपलेस वाली बांधनी कुर्ती भी ट्राई कर सकती हैं। यह कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगेगी। इस तरह की कुर्ती में आपको बड़े प्रिंट वाला डिजाइन मिलेगी। आपको मार्केट में इस तरह की कुर्ती 300-500 रुपए के बीच में आसानी से मिल जाएगी।

बांधनी प्रिंट वाली अनारकली कुर्ती

आप बांधनी प्रिंट वाले अनारकली सूट को जींस के साथ पेयर कर सकती हैं। यह अनारकली कुर्ती पहनने के बाद काफी अच्छी लगती है।

इसमें आपको पूरे में बांधनी प्रिंट मिलेगा। हालांकि इसमें आपको ज्यादा ऑप्शन नहीं मिलेंगे। लेकिन मार्केट में आपको 200-500 रुपए के बीच में बांधनी प्रिंट वाली अनारकली कुर्ती मिल जाएगी। इससे आपका लुक बेहद प्यारा लगेगा।

चुटकियों में दूर होगी करेले की कड़वाहट, सब्जी बनाने से पहले फॉलो करें ये आसान टिप्स

करेला खाना हेल्थ के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसमें विटामिन सी , विटामिन ए, फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम और कई तरह के एंटीऑक्सिडेंट्स पाए जाते हैं, जो बॉडी में जरूरी पोषक तत्वों की कमी को पूरा करते हैं। हालांकि, करेले का स्वाद काफी कड़वा होता है, जिससे कई लोग खाना पसंद नहीं करते हैं। आप कुछ आसान टिप्स को फॉलो कर करेले की कड़वाहट को आसानी से कम कर सकते हैं। करेले की कड़वाहट को कम करने के लिए हम आपके लिए कुछ टिप्स लेकर आए हैं, जिन्हें आप आसानी से फॉलो कर सकते हैं।

नमक लगाकर रखें

करेले की कड़वाहट को कम करने के लिए आप इसमें नमक को मिला सकते हैं। इसके लिए आप पहले करेले को काट लें और इसमें नमक को मिलाकर करीब आधे घंटे तक रख दें। इससे करेले से पानी निकलेगा और उसकी कड़वाहट आसानी से निकल जाएगी। अब आप इसको साफ पानी से धो लें। अब आप इसकी सब्जी बना सकते हैं।

सब्जी बनाने से पहले करेले को उबालें

करेले को काटने के बाद आप इसे उबाल सकते हैं। उबालने के लिए आप एक पैन में पानी लें और उसमें हल्का नमक डालकर करीब सात मिनट तक उबाल लें। इससे करेले की कड़वाहट कम होती है।

दही या छाछ का करें उपयोग

करेले की कड़वाहट को कम करने के लिए आप दही या छाछ का भी उपयोग कर सकते हैं। इसके लिए आप दही या छाछ में करेले को मिलाकर रख दें। इससे करेले का स्वाद भी बेहतर होता है। अब आप इससे भरवां करेला भी बना सकते हैं।

प्याज और मसालों से करें कड़वाहट कम

करेले की सब्जी बनाते समय प्याज, लहसुन, सौंफ, अमचूर या फिर नींबू के रस को डालकर भी आप इसकी कड़वाहट को कम कर सकते हैं। ये सामग्री इसकी स्वाद को बढ़ाती ही है और करेले की कड़वाहट भी कम करती है।

सब्जी बनाते समय निकालें बीज

पके करेले में कड़वाहट अधिक होती है। ऐसे में आप सबसे पहले करेले काटते समय आप बीज को निकाल लें। दरअसल, बीजों में कड़वाहट होती है और इसको निकालने से स्वाद भी बेहतर होता है।

संक्षिप्त समाचार

तेज गेंदबाज हर्षित राणा भारतीय टीम में शामिल

लंदन। तेज गेंदबाज हर्षित राणा को एक बदलाव के तहत ही इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से शुरु आगामी टेस्ट सीरीज के लिए अपनी 18 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। हर्षित राणा ने इंडिया ए की और से अच्छा प्रदर्शन किया था जिसके बाद उन्हें टीम के साथ रुकने के लिए कहा गया था। तभी से संकेत मिलने लगे थे कि हर्षित को टीम में जगह मिलेगी। एक रिपोर्ट के अनुसा हर्षित भारतीय टीम में शामिल हो गए हैं। सीरीज का पहला मैच 20 जून को लीड्स में शुरू होगा। माना जाता है कि लीड्स की पिच से स्पिनरों की तुलना में तेज गेंदबाजों को अधिक मदद मिलती है, जिसके कारण भारतीय टीम पांच गेंदबाजी विकल्प के साथ उतर सकती है, ऐसे में हर्षित को अंतिम ग्यारह में भी जगह मिल सकती है।

ऋषभ से अपने स्वभाविक अंदाज में खेलने को कहें गंभीर: बदानी

नई दिल्ली। पूर्व बल्लेबाज हेमंग बदानी ने कहा है कि भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर को उपकप्तान ऋषभ पंत से बात कर उनका हौंसला बढ़ाना चाहिये क्योंकि हाल में आईपीएल में उनका प्रदर्शन खराब रहा था जिससे वह दबाव में होंगे। इसलिए गंभीर को उन्हें ये बताना चाहिए कि वह अपने खेल पर ध्यान दें और उपकप्तानी को लेकर दबाव में न आयें। आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी के तौर पर ऋषभ पंत अपनी टीम को सफलता नहीं दिला पाये। इसके बाद भी भारतीय बोर्ड ने उनपर भरोसा जताते हुए उपकप्तानी सौंपी है। बदानी ने कहा कि भारतीय टीम शुभमन गिल के नेतृत्व में नए दौर की शुरुआत करने वाली है।

तेज गेंदबाज हर्षित राणा भारतीय टीम में शामिल

लंदन। तेज गेंदबाज हर्षित राणा को एक बदलाव के तहत ही इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से शुरु आगामी टेस्ट सीरीज के लिए अपनी 18 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। हर्षित राणा ने इंडिया ए की और से अच्छा प्रदर्शन किया था जिसके बाद उन्हें टीम के साथ रुकने के लिए कहा गया था। तभी से संकेत मिलने लगे थे कि हर्षित को टीम में जगह मिलेगी। एक रिपोर्ट के अनुसा हर्षित भारतीय टीम में शामिल हो गए हैं। सीरीज का पहला मैच 20 जून को लीड्स में शुरू होगा। माना जाता है कि लीड्स की पिच से स्पिनरों की तुलना में तेज गेंदबाजों को अधिक मदद मिलती है, जिसके कारण भारतीय टीम पांच गेंदबाजी विकल्प के साथ उतर सकती है, ऐसे में हर्षित को अंतिम ग्यारह में भी जगह मिल सकती है। ।

5 साल बाद टॉप पर पहुंचीं, बॉलर्स में दीप्ति शर्मा चौथे नंबर पर

स्मृति मंधाना आईसीसी वनडे रैंकिंग में नंबर-1 बैटर बनी

टी-20 में हेली मैथ्यूज नंबर-1 और दीप्ति नंबर-3 पर हैं

टॉप-10 बॉलर्स में दीप्ति इकलौती भारतीय वनडे की टॉप-10 बॉलर्स में दीप्ति शर्मा चौथे नंबर पर हैं। इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टन, ऑस्ट्रेलिया की एशले गार्डनर और मेगन शट टॉप-3 पोजिशन पर हैं। इस रैंकिंग में भारत की अगली टॉप प्लेयर रेणुका सिंह हैं, जो 24वें नंबर पर बरकरार हैं। हालांकि, टी-20 बॉलर्स रैंकिंग में दीप्ति दूसरे तो वहीं रेणुका पांचवें नंबर पर हैं। दोनों ही फॉर्मेट की ऑलराउंडर्स रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ। वनडे में एशले गार्डनर टॉप पर हैं, दीप्ति चौथे नंबर पर मौजूद हैं। वहीं टी-20 में हेली मैथ्यूज नंबर-1 और दीप्ति नंबर-3 पर हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी की विमेंस वनडे बैटर्स रैंकिंग में भारत की स्मृति मंधाना टॉप पर पहुंच गई हैं। वे साउथ अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ट और इंग्लैंड की नैटली सिवर ब्रंट को पीछे कर नंबर-1 पर पहुंचीं। मंधाना 5 साल बाद नंबर-1 बैटर बनीं, वे 2019 में आखिरी बार इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज खत्म होने के बाद टॉप पर पहुंची थी।

बॉलर्स की वनडे रैंकिंग में ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा चौथे नंबर पर बरकरार हैं। वे टी-20 रैंकिंग में दूसरे नंबर पर हैं। दीप्ति दोनों फॉर्मेट की ऑलराउंडर रैंकिंग में भी टॉप-4 के अंदर मौजूद हैं।

मंधाना टी-20 में चौथे नंबर-4 आईसीसी ने मंगलवार को विमेंस प्लेयर रैंकिंग अपडेट की। मंधाना ने 1 स्थान की छलांग लगाई, वे 727 पॉइंट्स के साथ टॉप पर पहुंचीं। सिवर-ब्रंट भी 1 स्थान ऊपर पहुंचीं, वे और वोल्वार्ट 719 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर कायम हैं। टॉप-10 बैटर्स रैंकिंग में भारत से और किसी भी प्लेयर को जगह नहीं मिली। जेमिमा रोड्रिग्ज 15वें और हरमनप्रीत कौर 16वें नंबर पर मौजूद हैं।

टी-20 बैटर्स रैंकिंग में भी मंधाना को छोड़कर भारत की कोई बैटर टॉप-10 में शामिल नहीं है। मंधाना चौथे नंबर पर हैं। ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी, वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज और ऑस्ट्रेलिया की ही ताहलिया मैक्ग्रा टॉप-3 पोजिशन पर कायम हैं।

टीम इंडिया दोनों फॉर्मेट में तीसरे नंबर पर दोनों ही फॉर्मेट की टीम रैंकिंग में भी बदलाव नहीं हुआ। इंडिया विमेंस वनडे में 121 और टी-20 में 260 रेटिंग पॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर है। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दोनों फॉर्मेट में पहले और दूसरे नंबर पर हैं।

कनाडा में टी100 टूर के विजेता एथलीट पदकों के साथ मंच पर नजर आये।

इंग्लैंड में कम से कम 3 टेस्ट खेलना चाहता हूं, पहले के लिए फिट

मैंने कप्तानी का जिम्मा लेने से मना किया: बुमराह

मैंने बोर्ड से कहा, मुझे कप्तान न बनाएं

बुमराह बुमराह ने बताया, रोहित-कोहली के रिटायर होने से पहले मैंने बोर्ड से बात की थी। मैंने अपने वर्कलोड की जानकारी दी। पीठ दर्द के ट्रीटमेंट के बाद मैंने सर्जन से भी बात की। काम का बोझ था इसलिए हम इस नतीजे पर पहुंचे कि मुझे थोड़ा और स्मार्ट बनना होगा। जिसके बाद मैंने बोर्ड से कहा, मैं नहीं चाहता कि मुझे नेतृत्व के तौर पर देखा जाए। इंग्लैंड के खिलाफ पहला टेस्ट खेलेंगे बुमराह बुमराह ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए खुद को उपलब्ध बताया। उन्होंने अपनी फिटनेस पर बात करते हुए कहा- मैं कम से कम तीन मैच खेलना चाहता हूं। फिलहाल, यही प्लान है। अभी कोई नंबर तय नहीं किया है। लेकिन, पहले मैच के लिए तैयार हूं। हमें आगे देखना होगा कि चीजें कैसे गुजरती हैं।

नई दिल्ली, एजेंसी। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा है कि उन्होंने खुद कप्तानी लेने से मना कर दिया था। इतना ही नहीं, बुमराह ने खुद को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए उपलब्ध बताया। 31 साल के पेसर ने स्पोर्ट्स पर दिनेश कार्तिक से बात की।

कप्तानी के सवाल पर बुमराह ने कहा- मैंने कप्तानी के लिए सिलेक्टर्स को मना किया था। इसमें कोई फैंसी कहानियां नहीं हैं, कोई विवाद नहीं है या कोई हेडलाइन वाला बयान नहीं है कि मुझे बर्खास्त कर दिया गया था या मेरी तरफ नहीं देखा गया। रोहित शर्मा के संन्यास के बाद कई पूर्व क्रिकेटर्स ने बुमराह को कप्तान बनाने का समर्थन किया था।

भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे पर हैं। टीम को वहां 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी हैं। पहला मुकाबला 20 जून से लीड्स में खेला जाएगा।

हर्षित राणा इंग्लैंड में टीम इंडिया के साथ रुकेंगे: भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा को इंग्लैंड में टीम इंडिया के साथ टेस्ट सीरीज के लिए रुकने के लिए कहा गया है। वे पहले इंडिया ए का हिस्सा थे और इंग्लैंड लायंस के खिलाफ 2 मैचों में खेले थे। इसके अलावा, उन्होंने भारतीय टेस्ट टीम के खिलाफ एक इन्ट्रा-स्क्वॉड मैच भी खेला था।

ग्वालियर ने दर्ज की लगातार दूसरी जीत, बुंदेलखंड ने लगाई हार की हैट्रिक

भोपाल, निप्र। मध्य प्रदेश लीग 2025 में ग्वालियर चीताज ने लगातार दूसरी जीत दर्ज करते हुए लय पकड़ ली है। बुंदेलखंड बुल्स के खिलाफ श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में ग्वालियर ने 46 रनों से जीत हासिल की है। पहले बल्लेबाजी करते हुए ग्वालियर ने ओपनर सूरज यादव (69) के दम पर 208/5 का स्कोर खड़ा किया था। इसके जवाब में कप्तान हर्ष गावली (70) की दमदार पारी के बावजूद बुंदेलखंड 162 रन ही बना सकी। ये बुंदेलखंड की लगातार तीसरी हार है। पहले बल्लेबाजी कर रही ग्वालियर को सूरज ने ताबड़तोड़ शुरुआत दिलाई। उन्होंने केवल 29 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया था। पहले विकेट के लिए पार्थ चौधरी (22) के साथ उन्होंने 9.4 ओवर में 93 रनों की साझेदारी की थी। इस शुरुआत के बाद ग्वालियर को बीच में थोड़े पुश की जरूरत थी तो उन्होंने रिषभ चौहान ने दिलाई। बीती रात नाबाद 93 रन बनाने वाले रिषभ ने केवल 19 गेंदों में नाबाद 44 रन बनाए जिसमें चार छक्के शामिल रहे।

अंत में मंगेश यादव ने भी अपने बल्ले का जोर दिखाया और केवल छह गेंद में ही नाबाद 24 रन बना दिए। उन्होंने अपनी पारी में तीन चौके और दो छक्के लगाए। बुंदेलखंड के लिए प्रियांशु शुक्ला सबसे महंगे रहे जिनके चार ओवर में 62 रन आए। विवेक शर्मा ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में केवल 19 रन खर्च किए और चार विकेट अपने नाम किए। लक्ष्य का पीछा करते हुए बुंदेलखंड ने तेज शुरुआत की थी, लेकिन पांचवें ओवर में ही उन्होंने पहला विकेट गंवा दिया। करन ताहिलयानी 17 गेंदों में 29 रन बनाकर आउट हुए। दूसरे ओपनर अभिषेक पाठक कुछ खास नहीं कर सके और उन्होंने 15 गेंदों में केवल 14 रन ही बनाए।

व्यापार समाचार

तीन साल तक के लिए किया जा सकता है भंडार

अन्न भंडारण में 20 लाख टन की अतिरिक्त क्षमता हासिल

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 40 लाख टन क्षमता वाले स्टील साइलो का निर्माण कार्य चल रहा है, जबकि 25 लाख टन क्षमता के लिए निविदा की प्रक्रिया जारी है।

अन्न भंडारण सुविधाओं को आधुनिक बनाने के लिए केंद्र सरकार ने पिछले 11 वर्षों में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत देशभर में कुल 19.5 लाख टन क्षमता वाले स्टील साइलो यानी भंडारगृह बनाए हैं। इन आधुनिक भंडारगृह की मदद से भंडारण तीन साल तक के लिए किया जा सकता है। पूरी तरह से स्वचालित और आधुनिक सुविधाओं से लैस भंडारगृहों ने अन्नों की बर्बादी को भी कम किया है।

केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 40 लाख टन क्षमता वाले स्टील साइलो का निर्माण कार्य चल रहा है, जबकि 25 लाख टन क्षमता के लिए निविदा की प्रक्रिया जारी है। इस पीपीपी मॉडल के तहत लीप एग्री लॉजिस्टिक्स (बड़ौदा) प्राइवेट लि. ने भी केंद्र सरकार की ओर से 50,000 टन गेहूं के भंडारण के लिए स्टील साइलो परियोजना स्थापित की है। केंद्र सरकार के प्रयासों के तहत भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) पीपीपी मॉडल में स्टील साइलो का निर्माण कर रहा है, ताकि खाद्यान्न को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सके।

11 वर्षों में 38 स्थानों पर 19.50 लाख टन क्षमता वाले साइलो का निर्माण: अधिकारी ने कहा, पिछले 11 वर्षों से 38 स्थानों पर पीपीपी मोड के तहत 19.50 लाख टन क्षमता वाले साइलो का निर्माण किया गया है। इसके अलावा, 90 स्थानों पर 39,62,500 टन क्षमता वाले साइलो का निर्माण किया जा रहा है। ये साइलो परियोजनाएं डिजाइन, निर्माण, वित्त, स्वामित्व और संचालन (डीबीएफओओ) या डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और हस्तांतरण (डीबीएफओटी) के आधार पर बनाई जा रही हैं। इन्हें निजी स्वामित्व वाली भूमि और एफसीआई भूखंड, दोनों पर स्थापित किया जा रहा है। एफसीआई इन स्टील साइलो को समझौते के तहत 30 साल के लिए किराये पर लेती है।

गिरावट के बावजूद यात्री वाहनों की दूसरी बार रिकॉर्ड बिक्री, मई में सभी श्रेणी के कुल 2012969 वाहन बिके

नई दिल्ली। *सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने सभी श्रेणी के कुल 20,12,969 वाहन बिके। यह मई, 2024 में बिके 19,76,674 वाहनों से 1.8 फीसदी अधिक है। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा, रेपो दर में फरवरी से अब तक एक फीसदी की कटौती और सामान्य से अधिक मानसून से वाहन क्षेत्र पर सकारात्मक असर पड़ेगा। घरेलू बाजार में यात्री वाहनों (पीवी) की थोक बिक्री मई, 2025 में सालाना आधार पर 0.8 फीसदी घटकर 3,44,656 इकाई रह गई। इस गिरावट के बावजूद यात्री वाहनों की बिक्री मई में अब तक दूसरी बार सबसे ज्यादा रही। एक साल पहले की समान अवधि में 3,47,492 पीवी बिके थे। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने सभी श्रेणी के कुल 20,12,969 वाहन बिके। यह मई, 2024 में बिके 19,76,674 वाहनों से 1.8 फीसदी अधिक है। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा, रेपो दर में फरवरी से अब तक एक फीसदी की कटौती और सामान्य से अधिक मानसून से वाहन क्षेत्र पर सकारात्मक असर पड़ेगा।*

अपोलो नवी मुंबई में शुरू होगा, इंस्टिट्यूट ऑफ़ क्लिनिकल ओबेसिटी एंड मेटाबोलिज़्म

मोटापा भारत के शहरी और अर्ध शहरी इलाकों में बढ़ता एपिडेमिक है

नवी मुंबई, एजेंसी। अपोलो हॉस्पिटल्स नवी मुंबई में एक अत्याधुनिक इंस्टिट्यूट ऑफ क्लिनिकल ओबेसिटी एंड मेटाबोलिज़्म का उद्घाटन होने जा रहा है। इस क्षेत्र में बढ़ते मोटापे के संकट को दूर करना इस पहल का उद्देश्य है। यह क्लिनिक वज़न प्रबंधन के लिए एक मल्टी-डिसिप्लिनरी दृष्टिकोण प्रदान करेगा, जिसमें लोगों की व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुरूप मेडिकल, पोषण और मनोवैज्ञानिक सहायता का संयोजन किया जाएगा।

भारत एक बड़ी गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती का सामना कर रहा है, विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार मोटापा कई बीमारियों का एक प्रमुख कारण है। हृदय संबंधी स्थितियां, टाइप 2 मधुमेह और कुछ कैंसर मोटापे की वजह से होते हैं। ये बीमारियां अक्सर सिस्टमिक इन्फ्लेमेशन से जुड़ी होती हैं, जो रक्त वाहिकाओं और अंगों को नुकसान पहुंचा सकती हैं, और कई गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं का कारण बन सकती हैं। इसलिए मोटापे को संबोधित करना न केवल वज़न प्रबंधन के लिए बल्कि इन जानलेवा बीमारियों की रोकथाम के लिए भी महत्वपूर्ण है।

बच्चों में मोटापा बढ़ रहा है, यह और भी चिंताजनक बात है। लैंसेट के एक अध्ययन का अनुमान है कि भारत में 5 से 19 वर्ष की आयु के लगभग 12.5 मिलियन बच्चे 2022 में मोटापे से ग्रस्त हो जाएंगे। यह संख्या दुनिया में सबसे अधिक है। 1990 में 0.4 मिलियन से इसमें उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रोसेस्ड खाद्य

पदार्थों, शक्कर मिले हुए पेय पदार्थों की बढ़ती खपत, स्क्रीन पर बहुत ज़्यादा समय बिताना और शारीरिक गतिविधियां बहुत ही कम कम करना इस समस्या के प्रमुख कारण हैं। अपोलो हॉस्पिटल्स नवी मुंबई में इंस्टिट्यूट ऑफ क्लिनिकल ओबेसिटी एंड मेटाबॉलिज़्म मोटापे के मूल कारणों को दूर करने वाली व्यापक देखभाल प्रदान करके इन चुनौतियों का मुकाबला करना चाहता है। व्यक्तिगत उपचार योजनाओं और जीवनशैली में सस्टेनेबल बदलाव पर ध्यान केंद्रित करके, मोटापे से ग्रस्त व्यक्तियों, विशेष रूप से बच्चों और किशोरों के स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार करना क्लिनिक का उद्देश्य है।

डॉ.संजय खरे, चीफ कंसल्टेंट-बैरिएट्रिक मेडिसिन के डायरेक्टर, अपोलो हॉस्पिटल्स नवी मुंबई ने कहा, पूरे देश में हम जो देख रहे हैं, उसकी पुष्टि हमारे अनुभवों से भी हुई है- भारत तेज़ी से मोटापे की ग्लोबल कैपिटल बन रहा है और खास तौर पर बच्चों में मोटापा काफी ज़्यादा बढ़ रहा है। यह सिर्फ वज़न के बारे में नहीं है - मोटापा गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं जैसे कि बहुत कम उम्र में मधुमेह होना, हार्मोनल असंतुलन और हृदय संबंधी जोखिमों का मूल कारण है। हमारे क्लिनिक के साथ, हम एक विज्ञान-संचालित, समुदाय-आधारित पहल शुरू कर रहे हैं जो स्कूलों, समाजों और परिवारों के माध्यम से जल्द से जल्द निदान, व्यक्तिगत परामर्श और जीवनशैली में दीर्घकालिक परिवर्तन को प्राथमिकता देता है।

अरुणेश पुनेथा, पश्चिमी क्षेत्र के रीजनल सीईओ, अपोलो हॉस्पिटल्स ने कहा, इस क्लिनिक को शुरू करके, अपोलो निवारक स्वास्थ्य सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मज़बूत करता है।

क्रांतिकारी मनुवादी मोर्चा पार्टी के अध्यक्ष आर.के. भारद्वाज ने कहा

कॉलेज के जमाने से मैं समाज और देश के उत्थान लिए सरकारों से विनती करता रहा हूं

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रांतिकारी मनुवादी मोर्चा पार्टी के अध्यक्ष आर.के. भारद्वाज ने कहा कि पोलिटिकल पार्टी का अध्यक्ष होते हुए भी मैं पोलिटीशियन नहीं हूँ, बल्कि फख्र है , कि मैं सोसियो पोलिटिकल रिफोर्मर हूँ । कॉलेज के जमाने से मैं समाज और देश के उत्थान लिए सरकारों से विनती करता रहा हूं। चाहे बो धरने के रूप में हो या आंदोलन के रूप में हो , उसमें सफलता भी मिली , जैसे निर्वाचन श्वङ्करूमें नोटा का बटन लगना । अब हमारी कुछ, और मागें हैं जैसे हम चाहते हैं कि चुनाव आयोग इस पर संज्ञान ले, जिसमें

1- राइट टू रिजेक्ट (नोटा) जो अभी अधूरा है इसको अन्य प्रत्याशियों की तरह एक प्रत्याशी होते हुए जीतने का हक मिलना चाहिए

2 - व राइट टू रिकॉल,

3 - वोटिंग मशीन में प्रत्याशी का चुनाव चिन्ह ,हटाकर उसका साफ फोटो लगे ताकि वोटर आँख मूँदकर चुनाव चिन्ह पर बटन दबाने के बजाय प्रत्याशियों को पहचानकर कि अच्छा या बुरा है उसे मत दाता चिह्नित कर सके

4 - माफियाओं भ्रष्टाचारियों और अपराधियों को राजनीति में जगह ना मिले

5- दल-बदल पर पूरी रोक लगे, 6 - आरक्षण नीति की जगह गरीब छात्रों को संरक्षण की नीति बने ।

7 -उन्होंने कहा कि , दिल्ली की मुख्यमंत्री से निवेदन है , कि ऐतिहासिक रामलीला मैदान सरीखे महत्वपूर्ण स्थल से इस अवैध निर्माण को तुरन्त ध्वस्त करवायें ।

8- दूसरे, श्री भारद्वाज ने जोर देते हुए कहा कि बीजेपी द्वारा बनाये गये 75 साल के नियमानुसार मोदी को सितम्बर 2025 में 75 वर्ष के हो रहे हैं क्या वह पद किसी और व्यक्ति देंगे, जो देश में सबसे अच्छी प्रादेशिक सरकार चला रहे हैं। अगर ऐसा है तो योगी जी को प्रधानमंत्री पद के लिए आमंत्रित करना चाहिए।

उमंग आर्ट एंड क्राफ्ट सिल्क एक्स्पो का शुभारंभ

भोपाल, निप्र। उमंग सिल्क एक्स्पो द्वारा प्रदर्शनी के दशहरा ग्राउंड में दिनांक 17 जून से 17 जुलाई 2025 ,समय 11:00 से रात्रि 9:00 तक चलेगी 7 इस सिल्क एक्स्पो में साड़ी और सूट के 25000 से भी ज्यादा नए डिजाइन उपलब्ध, जिसमें कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक के बेहतरीन कलेक्शन प्रस्तुत किए गए हैं।

उमंग सिल्क एक्सपो द्वारा केशरबाग बारादरी मे आयोजित प्रदर्शनी को 'श्रीमती कृष्णा गौर राज्य मंत्री मध्य प्रदेश सरकार, भारतीय जानता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रदर्शनी मे आए सभी आर्टिजन एवं बुनकरों से बात कर उनका उत्साह वर्धन किया । श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि इस तरह के आयोजन से लघु तथा कुटीर उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा जिससे लोगों की आय मे वृद्धि होगी। समाज की उन्नति मे इस तरह

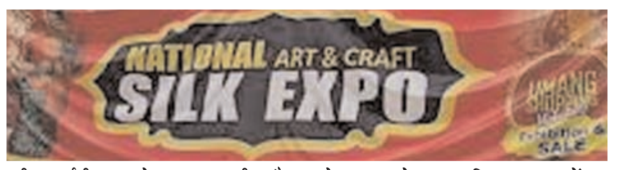

की प्रदर्शनी का योगदान सराहनीय है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी के आयोजक आशीष गुप्ता ने कारीगरों को एक मंच प्रदान कर सराहनीय कार्य किया है।

उमंग सिल्क एक्स्पो अवसर पर समाज के लोगों को इस तरह के एक्सपो में भाग लेने का आह्वान किया, इस अवसर पर तमाम गणमान्य लोग तथा आर्टिजन उपस्थित रहे। प्रदर्शनी के आयोजक आशीष गुप्ता को उनके कारीगरों के उत्थान के लिए किए जा रहे प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया।

उमंग सिल्क एक्स्पो के आयोजक आशीष कुमार गुप्ता ने बताया कि संस्थान द्वारा आयोजित सिल्क एक्स्पो व सेल में देश भर से आए सिल्क बुनकरों व डिजाईनरो ने अपने अपने प्रदेश संस्कृति काव्य और त्यौहारो को सिल्क पर छापा है, भोपाल मे विट्ठल मार्केट रविशंकर नगर मे आयोजित उमंग सिल्क एक्स्पो का मकसद देशभर के सिल्क उत्पादों का एक ही छत के तले प्रदर्शनी करना है।

उमंग सिल्क एक्स्पो में कांजीवरम उपाडा, गढ़वाल पटोला , बैंगलोर सिल्क , कांथा वर्क, डकारी जामदानी, पैठानी, बनारसी, भागलपुरी की साड़ियो, कश्मीरी पश्मीना साड़ी, सूट सॉल जैकेट स्टोल आदि बिक्री हेतु उपलब्ध है।

एक्जीवीशन में गुजरात की पटोला सिल्क , तेलांगना की उपाडा सिल्क तमिलनाडु की कांजीवरम सिल्क , महाराष्ट्र की पैठानी सिल्क, पर गई कलाकारी लोगो को अपनी ओर खीच रही है। इस प्रदर्शनी में पश्चिम बंगाल के काला हस्ती से आए बुनकर ने भगवान श्री कृष्ण के नोका विहार का द्रश्य सिल्क पर पेंट किया किया है साड़ियो पर बनी डीजायनो में कश्मीरी केशर की डीजायन के साथ ही कश्मीरी कहावा भी है । इसके साथ ही प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ से कोसा, घिचा,मलबरी रॉ सिल्क, एब्लॉक प्रिंटेड सिल्क साड़ी गुजरात से बान्धनी, पाटोला कच्छ एम्ब्रोयडरी , मिरर वर्क एवं डिजाइनर कुर्ती ,रिंग, बैंगल्स, मांग टीका , कमरबंद, और मुंबई वेस्टर्न पैटर्न ज्वैलरी व पालकी ज्वैलरी भी है ल खुर्जा की पोटरी सहारनपुर का फनीचर आदि।

भारतीयों ने चॉकलेट, जेम और मीठे उत्पाद पर 6.60 लाख करोड़ किए: रिपोर्ट

मुंबई, एजेंसी। *एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023-24 में भारतीयों ने चॉकलेट, जेम और चीनी जैसे मीठे उत्पादों पर 6.60 लाख करोड़ रुपए खर्च किए, जबकि सब्जियों पर 5.95 लाख करोड़ और तेल व वसा जैसे आवश्यक खाद्य पदार्थों पर केवल 2.45 लाख करोड़ रुपए ही खर्च किए गए।तेल और वसा पर खर्च में गिरावट CMIE के अनुसार, पिछले एक साल में तेल और वसा पर खर्च में 19.67त्न की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं दूसरी ओर चॉकलेट पर खर्च में 19.78त्न की बढ़त देखी गई है। यह ट्रेंड उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं में हो रहे बदलाव की ओर इशारा करता है। बीते चार वर्षों में खर्च का आंकड़ा इस प्रकार है- 2023-24 चॉकलेट, जेम, चीनी 6.60 लाख करोड़ सब्जियां 5.95 लाख करोड़तेल वसा 2.45 लाख करोड, 2022-23 चॉकलेट, जेम, चीनी 5.51 लाख करोड़सब्जियां 5.28 लाख करोड़तेल वसा 3.05 लाख करोड़ 2021-22 चॉकलेट, जेम, जेम, चीनी 4.46 लाख करोड़, सब्जियां- 4.79 लाख करोड़, तेल वसा 2.01 लाख करोड़ स्वास्थ्य और कुल रिपोर्ट में यह भी बताया गया है।*

जल्द ही देशभर में 50 नई नमो भारत पैसेंजर और एक सौ मेमू ट्रेनें चलेंगी: अश्विनी वैष्णव

गुरुग्राम ■ एजेंसी

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों के दौरान रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर में क्रांतिकारी बदलाव आया है। आज रेलवे का वार्षिक बजट 2.50 लाख करोड़ रुपये है, जबकि पहले यह 24 से 25 हजार करोड़ रुपये वार्षिक था। पिछले ढाई वर्ष के दौरान ही 1200 से ज्यादा जनरल कोच रेलवे को मिले हैं। देशभर में जल्द ही 100 नई मेन लाइन पर ईएमयू (मेमू) गाड़ियां चलेंगी। कम दूरी की यात्राओं के लिए नई मेमू में 16 और 20 कोच होंगे, जो कि पुरानी मेमू में 8 और 12 होते हैं। इसी तरह 50 नई नमो भारत पैसेंजर गाड़ियां भी रेल नेटवर्क में शामिल होंगी।

केंद्रीय मंत्री वैष्णव मंगलवार को यहां आईएमटी मानेसर स्थित मारुति सुजूकी इंडिया लिमिटेड संयंत्र परिसर में गति शक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल के उद्घाटन समारोह को संबोधित करें। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के उपरांत हरियाणा में रेल नेटवर्क का शत-प्रतिशत विद्युतीकरण हुआ। साथ ही 823 किमी लंबाई वाले ट्रैक बिछाए गए, जोकि संयुक्त अरब अमीरात के रेल नेटवर्क से भी बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर है। यानी कि संयुक्त अरब अमीरात जितनी पटरियां अकेले हरियाणा में बिछाई गई हैं। हरियाणा में 34 अमृत भारत स्टेशन बनाने का काम जारी है। इस दौरान 540 रेलवे ओवरब्रिज व अंडरपास बनाए गए हैं।

रेल मंत्री ने हरियाणा के सोनीपत में स्थित रेल कारखाने का जिक्र करते हुए कहा कि इस कारखाने के आधुनिकीकरण की परियोजना भी तैयार की जा रही है। जल्द ही इस परियोजना का काम भी शुरू होगा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में आज प्रदेश में रेल नेटवर्क का तेजी से विस्तार हो रहा है। बीते 11 वर्षों में हरियाणा में रेल नेटवर्क के विस्तार पर रेल मंत्री ने कहा कि 2014 से पहले हरियाणा के लिए बजट में 315 करोड़ रुपये मिला था, जबकि 2014 से अब तक 3416 करोड़ रुपये प्रदेश को आवंटित किया जा चुका है।

इससे पहले मारूति सुजूकी इंडिया लिमिटेड के सीईओ हिसाशी ताकेउची ने केंद्रीय रेल मंत्री और मुख्यमंत्री का लोकार्पण समारोह में पहुंचने पर स्वागत किया। इसके बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गति शक्ति मल्टी मॉडल कार्गो टर्मिनल से पहली कार्गो ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

समारोह में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा, लोक निर्माण विभाग (भवन एवं मार्ग) के अतिरिक्त मुख्य सचिव विजेंदर कुमार, उत्तर रेलवे के जीएम अशोक कुमार वर्मा, एचआरआइडीसी के एमडी नरेंद्र डी चंबुर, मारुति सुजुकी से सुनील कक्कड़, राहुल भारती, एसडी छाबड़ा, चीफ कोऑर्डिनेटर इंडस्ट्री सुनील शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। वहीं जिला प्रशासन की ओर से गुरुग्राम मंडल के आयुक्त आरसी बिढ़ान, डीसी अजय कुमार, सीपी विकास अरोड़ा, नगर निगम मानेसर के आयुक्त आयुष सिन्हा, मानेसर के एसडीएम दर्शन यादव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

साइबर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए मुख्यमंत्री ने केंद्र से मांगा 63.60 करोड़

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने साइबर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए केंद्र से 63.60 करोड़ का अनुरोध और विद्युत परिसंपत्तियों को एनडीआरएफ/एसडीआरएफ के तहत क्षतिपूर्ति के दायरे में लाने का आग्रह किया। साथ ही सितारगंज केंद्रीय कारागार के विस्तार के लिए 150.16 करोड़ का प्रस्ताव सहित राज्य के समग्र विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में बढ़ती चुनौतियों के दृष्टिगत केंद्रीय गृह मंत्री से देहरादून में साइबर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए 63.60 करोड़ की धनराशि की स्वीकृति का अनुरोध किया है। यह सेंटर डिजिटल अपराधों की रोकथाम, विशेषज्ञ प्रशिक्षण, साइबर फोरेंसिक और आधुनिक संसाधनों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके साथ ही राज्य की विद्युत अधोसंरचना को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली क्षति पर चर्चा करते हुए अवगत कराया कि छोटे हिमालयी राज्यों की भौगोलिक विषमताओं को ध्यान में रखते हुए विद्युत उत्पादन, पारेषण एवं वितरण परिसंपत्तियों को एनडीआरएफ/एसडीआरएफ के तहत क्षतिपूर्ति के दायरे में लाया जाए। इससे राज्य का आपदा प्रबंधन तंत्र और अधिक प्रभावी व सशक्त होगा।

ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने कहा- युद्ध नहीं बढ़ाना चाहते, लेकिन हमले का जवाब देंगे

तेहरान/अंकारा। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने सोमवार को स्पष्ट किया कि उनका देश इजराइल के साथ युद्ध को और व्यापक नहीं बनाना चाहता, लेकिन अगर हमला हुआ तो उसका उचित और आनुपातिक जवाब दिया जाएगा। यह बयान उन्होंने तुर्किए के राष्ट्रपति रेचप तैय्यप एर्दोगन के साथ फोन पर बातचीत के दौरान दिया, जिसकी जानकारी ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए और तुर्की की अनादोलु एजेंसी ने दी। पेजेश्कियन ने कहा, ईरान ने यह युद्ध शुरू नहीं किया। इजराइली आक्रमण में हमारे वैज्ञानिकों, सैन्य अधिकारियों और आम नागरिकों की जान गई है। लेकिन हमले के स्तर के मुताबिक हम जरूर जवाब देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ परमाणु वार्ता में ईरान की भागीदारी पूरी तरह से इस बात पर निर्भर है कि जायनिस्ट शासन (इजराइल) अपने क्षेत्रीय हमलों को रोकता है या नहीं। इस बीच. तुर्किए के राष्ट्रपति रेचप तैय्यप एर्दोगन ने कहा कि उनका देश संघर्ष को कम करने में सुविधाजनक भूमिका निभाने को तैयार है, और ईरान-अमेरिका परमाणु वार्ता की वापसी का समर्थन करेगा।

अमेरिकी जज ने ट्रंप को दिया झटका, कहा-एनआईएच का अनुदान रद्द करना अवैध

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के एक संघीय जज ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को झटका दिया है। जज ने फैसले में कहा कि नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) का अनुदान रद्द करने वाला ट्रंप का निर्देश अमान्य और अवैध है। रद्द किए गए कुछ अनुदानों में एलजीबीटीक्यू आदि के शोध अनुदान भी शामिल थे। एबीसी न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, यह फैसला मैसाचुसेट्स के संघीय जज विलियम यंग ने सोमवार को सुनाया। यूएस डिस्ट्रिक्ट जज यंग ने कहा कि यह संघीय कानून का उल्लंघन है। ऐसा निर्देश नस्लीय भेदभाव है। अनुदान रद्द करने के बाद एक अमेरिकी सार्वजनिक स्वास्थ्य संघ और 16 राज्यों के समूह ने मुकदमा दायर किया गया था।

ईरान में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए शिया धर्म गुरु ने विदेश मंत्री को लिखा पत्र

नई दिल्ली। ईरान-इजरायल युद्ध के बीच भारत से ईरान-इराक गए तीर्थ यात्रियों और दोनों देशों के विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सकुशल भारत वापस लाने के लिए प्रयास तेज हो गए हैं। शिया धर्म गुरु मौलाना सैफ अब्बास नकवी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर ईरान, इराक में फंसे तीर्थ यात्रियों और छात्रों को भारत वापस लाने की अपील की है। उन्होंने पत्र लिखकर विदेश मंत्री को सारे हालात से आगाह किया है। मौलाना सैफ अब्बास नकवी ने हिन्दुस्थान समाचार से बात करते हुए बताया कि ईरान-इजरायल युद्ध के बीच भारत से ईरान और इराक गए तीर्थ यात्रियों के वहां पर फंसे रहने की वजह से भारत में उनके परिजनों को काफी चिंता है। उन्होंने बताया कि भारत में रहने वाले यह सभी लोग ईरान, इराक में स्थित धार्मिक स्थलों का दर्शन करने के लिए गए हुए थे। इस बीच वहां युद्ध छिड़ने की वजह से दोनों देशों में हवाई जहाज की उड़ानों पर रोक लगा दी गई है।

गुजरात के सौराष्ट्र में भारी बारिश

पिछले 24 घंटे में बोटाद जिले के गढड़ा तालुका में सर्वाधिक 14 इंच वर्षा दर्ज

गांधीनगर ■ एजेंसी

गुजरात राज्य में मानसून की शुरुआत के साथ ही सौराष्ट्र के अधिकांश जिलों में व्यापक वर्षा हुई है। बीते 24 घंटे में बोटाद जिले के गढड़ा तालुका में सबसे ज्यादा 14 इंच बारिश दर्ज की गई है। वहीं, भावनगर जिले के पालीताना और शिहोर में 12-12 इंच वर्षा दर्ज हुई है।

स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर-गांधीनगर की रिपोर्ट के अनुसार राज्य में भावनगर जिले में औसतन 8 इंच और बोटाद जिले में एक ही दिन में औसतन 7.5 इंच वर्षा हुई है। अगर तालुका स्तर पर बात करें तो बीते 24 घंटे में भावनगर के जेसर और उमराला, अमरेली के सावरकुंडला और बोटाद तालुका में 14 इंच से अधिक वर्षा दर्ज की गई है। भावनगर के महुवा तालुका में भी करीब 9 इंच बारिश हुई है। इसके अलावा अमरेली के राजुला, अमरेली और लीलिया, भावनगर के वल्लभीपुर और तलाजा तथा सुरेन्द्रनगर के चोटीला तालुका में भी 6 इंच से अधिक वर्षा दर्ज हुई है।

इसके अलावा, भावनगर के गारियाधार, राजकोट के विंछिया, भरूच के हांसोट, अमरेली के बाबरा और खांभा तथा मोरबी तालुका में 4 इंच से ज्यादा वर्षा दर्ज की गई है। जबकि मोरबी के टंकारा और हलवद, राजकोट के जसदान और जेतपुर, सुरेन्द्रनगर के चूड़ा, सायला, थानगढ़ और मळी, भरूच के वागरा और अंकलेश्वर, सूरत के ओलपाड, अमरेली के लाठी, कच्छ के मांडवी, भावनगर सहित जूनागढ़ शहर और तालुका में भी 3 इंच से अधिक बारिश हुई है।

इसके अलावा राज्य के 25 तालुका में 2 इंच से अधिक, 66 तालुका में 1 इंच से अधिक जबकि 93 तालुका में 1 इंच से कम वर्षा दर्ज की गई है। इस प्रकार, बीते 24 घंटों में राज्य के 33 जिलों के कुल 221 तालुका में औसतन 1.5 इंच से अधिक वर्षा दर्ज की गई है।

रिपोर्ट के अनुसार मंगलवार 17 जून 2025 को सुबह 6.00 बजे तक राज्य में मौसम की कुल औसत वर्षा 8 प्रतिशत दर्ज की गई है। वहीं, सुबह 6.00 बजे से 10.00 बजे तक भावनगर जिले के उमराला तालुका में राज्य में सबसे अधिक 3.5 इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। इसके अलावा बोटाद के बरवाला में 3 इंच तथा भावनगर के वल्लभीपुर, अहमदाबाद के धोलेरा और धंधुका तालुका में भी चार घंटे में ही 2 इंच से अधिक वर्षा दर्ज की गई है।

एयर इंडिया की दिल्ली-पेरिस सहित कई उड़ानें रद्द, मौसम ने भी बढ़ाई मुश्किलें

नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया एयरलाइंस ने दिल्ली-पेरिस फ्लाइट संख्या एआई- 143 और अहमदाबाद-लंदन रूट सहित कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी हैं। वहीं, नई दिल्ली में खराब मौसम की वजह से एयर इंडिया के उड़ानों का परिचालन भी प्रभावित हुआ है, जिससे कुछ उड़ानों का मार्ग परिवर्तित किया गया है। दिल्ली एयरपोर्ट ने खराब मौसम के चलते उड़ाने प्रभावित होने की एडवाइजरी भी जारी की है। एयर इंडिया ने मंगलवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि दिल्ली में खराब मौसम की वजह से हमारी उड़ानों का परिचालन प्रभावित हो रहा है। एयरलाइन ने परिचालन कारणों और भारत के विमानन नियामक, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा शुरू किए गए एहतियाती विमान निरीक्षण का हवाला देते हुए 6 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दीं। कुछ उड़ानों का मार्ग परिवर्तित किया गया है। ऐसे में यात्रियों से हवाई अड्डे पर जाने से पहले उड़ानों की स्थिति की जांच करने की अपील की गई है।

ऑपरेशन 'सिंदूर' के बाद पूर्व सैन्य अधिकारियों के साथ 'चीफ्स चिंतन' बैठक शुरू

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पूर्व सैन्य अधिकारियों को ऑपरेशन 'सिंदूर' पर व्यापक परिचालन ब्रीफिंग दी गई

ऑपरेशन 'सिंदूर' के बाद सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पूर्व सेना प्रमुखों के साथ मंगलवार से नई दिल्ली में दो दिवसीय 'चीफ्स चिंतन' बैठक शुरू की है। इसका मकसद पूर्व सैन्य अधिकारियों के अनुभवों का लाभ उठाने के लिए एक मंच तैयार करना है। जनरल द्विवेदी ने पूर्व सेना प्रमुखों का स्वागत किया और भारतीय सेना के चल रहे परिवर्तन और भविष्य की दिशा को आकार देने में उनकी निरंतर भागीदारी के महत्व को रेखांकित किया।

कार्यक्रम के पहले दिन पूर्व सैन्य अधिकारियों को ऑपरेशन सिंदूर पर व्यापक परिचालन ब्रीफिंग दी गई, जिसमें भारतीय वायु सेना और नौसेना के साथ संचालन का समन्वित संचालन शामिल था। ऑपरेशन की प्रासंगिकता समझाने के लिए पूर्व प्रमुखों से सुझाव लेने के साथ ऑपरेशन के निष्पादन, रणनीतिक प्रभाव और संयुक्त कौशल मॉडल को विस्तार से प्रस्तुत किया गया। पूर्व प्रमुखों को परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने के उद्देश्य से आला प्रौद्योगिकियों और आधुनिकीकरण पहलों को शामिल करने के बारे में भी जानकारी दी गई। सम्मेलन के दौरान तकनीकी पहल और तकनीक अपनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयास पर चर्चा की गई। बैठक में विकसित भारत ञ्च2047~ विकसित भारत के लक्ष्यों में भारतीय सेना के योगदान पर भी चर्चा हुई। दो दिवसीय बैठक में मानव संसाधन और वयोवृद्ध कल्याण~ मानव संसाधन नीतियों में सुधार और वयोवृद्धों के लिए कल्याणकारी योजनाओं की पहल पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। पूर्व सेनाध्यक्षों ने क्षमता वृद्धि और संगठनात्मक सुधार की दिशा में भारतीय सेना के चल रहे प्रयासों में योगदान देने पर अंतर्दृष्टि और सिफारिशें साझा कीं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बाद अब चीन का आया संदेश, अपने लोगों से कहा- तत्काल इजरायल छोड़ दें

बीजिंग ■ एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के तेहरान को खाली करने की चेतावनी के बाद अब चीन ने भी अपने नागरिकों को इजरायल तुरंत छोड़ने की सलाह दी है। इन बयानों ने पूरी दुनिया में हलचल मचा दी है और यह संकेत दे रहे हैं कि यह युद्ध और भयावह रूप ले सकता है। इस युद्ध के बीच डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को अपनी सोशल मीडिया साइट ट्रुथ सोशल पर एक चौंकाने वाला बयान जारी किया। उन्होंने लिखा, 'ईरान को मेरी की तरफ से दी गई डील साइन कर लेनी चाहिए थी। यह बहुत शर्मनाक है और मानव जीवन की बर्बादी है। साफ शब्दों में, ईरान को परमाणु हथियार नहीं मिलना चाहिए। मैंने बार-बार कहा! सभी को तुरंत तेहरान खाली कर देना चाहिए! ट्रंप ने यह भी कहा कि वह जी7 समिट को बीच में छोड़कर वाशिंगटन लौट रहे हैं और नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल की बैठक बुलाई है।

उनके इस बयान ने तेहरान में दहशत फैला दी, जहां लोग पहले से ही इजरायली हमलों के कारण पलायन कर रहे हैं। तेहरान की कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर सामने आई हैं कि शहर से निकलने वाली सड़कों पर लंबा जाम दिख रहा है। वहां पेट्रोल की किल्लत और बैंक के एटीएम खाली पड़ने की भी खबरें हैं। ट्रंप के इस बयान के बाद अब चीनी दूतावास ने इजरायल में रहने वाले अपने नागरिकों को तुरंत देश छोड़ने की सलाह दी। चीनी दूतावास ने वीचैट पर जारी एक बयान में कहा, 'इजरायल-ईरान युद्ध लगातार बढ़ रहा है। नागरिक सुविधाएं क्षतिग्रस्त हो रही हैं, हताहतों की संख्या बढ़ रही है और सुरक्षा स्थिति गंभीर होती जा रही है।' दूतावास ने अपने नागरिकों से जॉर्डन से सटी लैंड बॉर्डर रूट अपनाने की सलाह दी। पहले डोनाल्ड ट्रंप और अब चीन के इस बयान से यह अटकलें तेज हो गईं कि यह जंग और भीषण हो सकती है, जिसमें अमेरिका और चीन भी कूद सकते हैं।

इजरायल ईरान युद्ध आज पांचवें दिन भी जारी है, जिसमें दोनों देश एक दूसरे में मिसाइलों और ड्रोन से ताबड़तोड़ हमले कर रहे हैं। इजरायल ने 13 जून 2025 को ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों पर अचानक हमला शुरू किया, जिसे उसने 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' नाम दिया। इन हमलों में ईरान के कई शीर्ष सैन्य कमांडरों और परमाणु वैज्ञानिकों की मौत हो गई।

जवाब में, ईरान ने इजरायल पर सैकड़ों मिसाइलें और ड्रोन दागे, जिनमें तेल अवीव और हाइफा जैसे शहरों में भारी नुकसान हुआ। ईरान की सरकारी मीडिया के अनुसार, इजरायली हमलों में अब तक 224 लोग मारे गए हैं, जिनमें ज्यादातर नागरिक हैं। उधर इजरायल में 24 नागरिकों की मौत की खबर है।

एआईसीटीई ने उद्योग-अकादमिक सहयोग को मजबूत करने के लिए उद्योग फेलोशिप कार्यक्रम शुरू किया

फेलो को एआईसीटीई प्रतिमाह 75,000 रुपये का योगदान देगा, उद्योग न्यूनतम 25,000 रुपये देंगे

नई दिल्ली ■ एजेंसी

शिक्षा और उद्योग जगत के बीच की खाई को पाटने के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने एआईसीटीई इंडस्ट्री फेलोशिप प्रोग्राम शुरू किया है। इसके माध्यम से देशभर के तकनीकी संस्थानों के चयनित संकाय सदस्यों को अग्रणी उद्योगों के साथ काम करने का अवसर मिलेगा। एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. टी.जी. सीताराम ने मंगलवार को योजना को लांच किया।

एआईसीटीई के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के विजन के हिस्से के रूप में फेलोशिप को शुरू में बतौर पायलट प्रोजेक्ट लागू किया जाएगा जिसमें शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में 350 संकाय सदस्यों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। आने वाले वर्षों में इसे सालाना 1,500 फेलोशिप तक बढ़ाने का लक्ष्य है। यह अनूठी फेलोशिप सभी हितधारकों, संकाय, शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग भागीदारों और छात्रों के लिए फायदेमंद है। संकाय सदस्यों को उद्योग का व्यावहारिक अनुभव, वर्तमान तकनीकों के बारे में बेहतर जानकारी और वास्तविक समय में समस्या-समाधान में प्रत्यक्ष भागीदारी प्राप्त होगी। वहीं, उद्योग जगत को प्रशिक्षित शिक्षकों के बौद्धिक इनपुट से लाभ होगा और सहयोग के माध्यम से भविष्य के लिए तैयार कार्यबल की पाइपलाइन तैयार होगी। इस दौरान एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. टी.जी. सीताराम ने कहा कि इस कार्यक्रम को उद्योग और शिक्षा जगत के बीच के अंतर को पाटने के लिए तैयार किया गया है। यह एक सामूहिक प्रयास है जो सभी हितधारकों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। संकाय सदस्यों को उद्योग का मूल्यवान अनुभव प्राप्त होगा जिससे वे अपने करियर में उन्नति कर सकेंगे।

एनएच-66 पर ढलान सुरक्षा कार्य ढहने पर बड़ी कार्रवाई, मेघा इंजीनियरिंग कंपनी को बोली से बाहर किया गया

केरल हादसे के बाद एनएचएआई ने ठोस कदम उठाए, विशेषज्ञ समिति करेगी जांच

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्र सरकार की अधीनस्थ संस्था राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने केरल के कासरगोड जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-66 (एनएच-66) के चेरक्कला क्षेत्र में ढलान सुरक्षा कार्य के ढहने की घटना को गंभीरता से लिया है। यह हादसा 16 जून को चेंगला-नीलेश्वरम सेक्शन में घटित हुआ था।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि शुरुआती जांच में पाया गया कि दुर्घटना का मुख्य कारण अनुचित डिज़ाइन, अपर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था और खराब ड्रेनेज सिस्टम था। इस लापरवाही के लिए एनएचएआई ने ठेकेदार कंपनी मेघा इंजीनियरिंग एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और इसके प्रमोटर को भविष्य की सभी परियोजनाओं की निविदाओं (बोली) से बाहर कर दिया है। इसके अतिरिक्त कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए एक साल के लिए डिबार करने और 9 करोड़ रुपये तक के जुर्माने की चेतावनी भी दी गई है। इस परियोजना को हाइब्रिड एन्युइटी मोड के तहत विकसित किया जा रहा है, जिसमें ठेकेदार को न केवल निर्माण करना होता है बल्कि 15 वर्षों तक राजमार्ग का रखरखाव भी करना होता है। अब कंपनी को अपने खर्च पर ढलान सुरक्षा कार्य दोबारा करने होंगे। एनएचएआई ने इस घटना की गहन जांच के लिए उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित की है, जिसमें केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) के वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईआईटी पालक्काड़ के सेवानिवृत्त प्रोफेसर और भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के विशेषज्ञ शामिल हैं। यह समिति घटनास्थल का दौरा कर डिजाइन और निर्माण की समीक्षा करेगी तथा इस परियोजना के लिए आवश्यक सुधारात्मक सुझाव देगी। एनएचएआई ने स्पष्ट किया है कि वह भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि सड़क सुरक्षा और ढांचागत गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह घटना राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण और रखरखाव के मानकों पर एक बार फिर सवाल खड़े करती है।

गाजा में पानी की भारी कमी के बीच ही एक अस्थाई शिविर के पास पानी के लिए मशक्कत करते हुए लोग।

वीडियो कॉन्फ्रेंस में कलेक्टर्स को दिये निर्देश

बारिश से पूर्व नवीन बाढ़ प्रभावित स्थान चिन्हित कर लिए जाएं - कमिश्नर तिवारी

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने नर्मदापुरम संभाग के हरदा बैतूल एवं नर्मदापुरम जिले के कलेक्टर को निर्देश दिए की वर्षा पूर्व बाढ़ से बचाव के लिए वे सभी तैयारी सुनिश्चित कर लें। साथ ही नवीन बाढ़ प्रभावित स्थानों को भी प्राथमिकता से चिन्हित करे। नवीन एवं पुराने बाढ़ प्रभावित स्थान पर बाढ़ से बचाव के लिए सभी संभावित उपाय भी सुनिश्चित किए जाएं। कमिश्नर ने निर्देश दिए की बारिश में सड़क दुर्घटना को रोकने के लिए भी सभी आवश्यक उपाय सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने सड़कों की मरम्मत, क्षतिग्रस्त पुल पुलियों की मरम्मत करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि महत्वपूर्ण पुल पुलिया एवं मार्गों पर दिशा संकेतक अनिवार्य रूप से लगाये जाए। उन्होंने जिला कमांडेंट होमगार्ड को सभी आवश्यक उपकरणों के साथ तैयारी सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए। कमिश्नर तिवारी ने सभी कलेक्टर को निर्देश दिए कि वह विभागीय एवं जिले के अंदर होने वाले सभी ट्रांसफर की फाइल ई ऑफिस सिस्टम के माध्यम से ही भेजना सुनिश्चित करें।

कमिश्नर तिवारी ने जल गंगा अभियान की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की हरदा बैतूल एवं नर्मदापुरम जिले में चल गंगा अभियान के अंतर्गत जो कार्य किये जा रहे हैं, उन कार्यों को और तेजी से पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि नर्मदापुरम, हरदा और बैतूल जिला प्रदेश में टॉप-03 में रहे। उन्होंने कहा कि अभी अभियान समाप्त होने में 13 से 14 दिन बाकी है, इस अवधि में और अतिरिक्त मेहनत कर सभी जिले टॉप-03 में आने का प्रयास करें।

कमिश्नर तिवारी ने नजूल लीज नवीनीकरण के अंतर्गत अब तक हुई प्रगति की समीक्षा की। बताया गया की नर्मदापुरम में 40 प्रकरण लीज

नवीनीकरण के दर्ज किए गए हैं। कमिश्नर ने निर्देश दिए की सभी नजूल अधिकारियों को लीज नवीनीकरण के संबंध में एवं रजिस्ट्रेशन के संबंध में आवश्यक जानकारियां रहे। साथ ही सभी नजूल अधिकारी लीज नवीनीकरण के प्रकरण ढूंढे और उनका रजिस्ट्रेशन कराए। उन्होंने डायवर्सन के सभी प्रकरणों में मुआवजा राशि प्राथमिकता से देने के निर्देश दिए। साथ ही कहां की सरकारी अस्पताल, स्कूल, कॉलेज एवं अन्य भवन निर्माण में शासकीय भूमि के आवंटन में अनावश्यक विलंब ना हो। जहां आवश्यकता है वहां वहा कलेक्टर शासकीय भूमि आवंटित करें। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में विकास के कार्य न रुके। कमिश्नर ने सभी एसडीएम के रीडर की आईडी पर लंबित प्रकरणो पर नाराजगी व्यक्त की और निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में प्रकरण लंबित न रहे। उन्होंने कहां की डायवर्सन से लेकर राजस्व के सभी प्रकरण ऑनलाइन रहे, कोई भी प्रकरण ऑफलाइन ना रहे।

कमिश्नर ने सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों को राहत राशि देने के प्रकरण की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की ऐसे प्रकरण पुलिस अधीक्षक से प्राप्त कर राहत राशि देना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि हिट एंड रन केस में भी राहत राशि देने का प्रावधान है अत: दो प्रकार की सड़क दुर्घटनाओं में घायल होने पर राहत राशि प्राथमिकता से घायल व्यक्ति को मिलनी चाहिए। उन्होंने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक के पालन प्रतिवेदन को पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्देश दिए की सभी लोगों के समग्र आई डी की ई-केवाईसी की जाए। उन्होंने सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए कि वह संयुक्त परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित करे और बैठक में प्राप्त कर्मचारियों के लंबित समस्याओं का निराकरण करें। उन्होंने जनजातीय कार्य विभाग की वन अधिकार समिति की बैठक भी शीघ्र ही आयोजित करने के निर्देश दिए और कहां की अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के लिए गठित जिला समिति की बैठक भी जल्द ही आयोजित कर लंबित प्रकरणों का निराकरण किया जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री शहरी आवास के प्रस्ताव शासन को भिजवाने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून की व्यापक स्तर पर तैयारी करने के भी निर्देश दिए और कहां की एक पेड़ मां के नाम अभियान में आम जनता को एक पेड़ अपनी मां के नाम लगाने के लिए प्रेरित किया जाए।

संक्षिप्त समाचार

मढ़ई में गश्ती अब हाथियों और वाहनों से

सोहागपुर। पिछले बीस दिनों में दो चौकीदारों के हमलावर बाघ शावक को वन विहार भोपाल भेजने की तैयारियों में भी पार्क प्रबंधन जुट चुका है। इस सिलसिले में उसकी निरंतर मानिटरिंग करते हुए व्यवहार पर भी नजर रखी जा रही है। उक्त जानकारी एक सवाल के जवाब में देते हुए मढई के सहायक संचालक अंकित जामोद ने बताया कि फिलहाल उच्च अधिकारियों के निर्देश पर हाथियों और वाहनों के जरिए सामूहिक तौर पर गश्त शुरू की गई है। पहली प्राथमिकता सुरक्षा है। उन्होंने कहा कि स्वाभाविक रूप से पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर भी एतिहात बरती जा रही। बाघ शावक को रेस्क्यू करने का काम अनुमति मिलने के बाद शुरू किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि फायर लाईन वाली बाघिन के इस शावक से एक चौकीदार ने पेड़ पर चढ़कर अपनी जान बचाई थी अब पिछले बीस दिनों में ये दो घटनाएं सामने आ चुकी है।

बाल एवं किशोर श्रम अधिनियम के उल्लंघन पर की कार्यवाही

नर्मदापुरम । आईटीआई रोड पर निर्माणाधीन भवन में किशोर श्रमिक की सूचना प्राप्त होने पर जिला टास्क फोर्स नर्मदापुरम द्वारा निमार्णाधीन स्थल का निरीक्षण गत दिवस को बाल एवं किशोर श्रम अधिनियम के अंतर्गत किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिनियम अंतर्गत धारा 12 एवं 3(ए) का सारांश प्रदर्शित नहीं पाया गया। जिस हेतु संस्थान आर्ची कन्स्ट्रक्शन को सूचना पत्र जारी किया गया। प्रकरण में अधिनियम अंतर्गत प्रश्मन की कार्यवाही की जाकर संस्थान पर राशि रु.5 हजार अध्यारोपित किया गया। संस्थान द्वारा उक्त राशि का डी.डी. बाल एवं पुनर्वास कोष में जमा कराया गया। उक्त कार्यवाही में श्रम निरीक्षक सरिता साहू, जनशिक्षक संतोष कुमार तनेजा, सामाजिक कार्यकर्ता मलखान यादव, महिला एवं बाल विकास एवं सचर्चीद्र चौरे जिला प्रभारी एक्सिस टू जस्टिस नर्मदापुरम शामिल रहे।

जनसुनवाई में आए 88 आवेदनों का किया गया समाधान

नर्मदापुरम। मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सिटी मजिस्ट्रेट श्री बृजेंद्र रावत ने अधिकारियों के साथ जनसामान्य की समस्याओं पर गंभीरता से सुनवाई कर उनका निराकरण किया। जनसुनवाई में आए 88 आवेदनों पर सुनवाई की गई। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए। साथ ही पिछली जनसुनवाई में आए आवेदनों के निराकरण की स्थिति की जानकारी भी ली। जनसुनवाई तहसीलदार देव शंकर धुर्वे, सहित अन्य सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहें।

टिमरनी में बच्चों को मिला नया आंगनबाड़ी केंद्र

हरदा। हरदा के टिमरनी में वार्ड क्रमांक 7 मंडी रोड स्थित आंगनबाड़ी केंद्र को नया रूप मिला है। कुछ माह पहले चोरी और आगजनी का शिकार हुआ यह केंद्र अब पूरी तरह बदल गया है। एसडीओपी आकांक्षा तलया ने बच्चों के हित में आगे बढ़कर इस केंद्र का कायाकल्प किया।

छोटी बजरिया से हटाया वर्षों पुराना अतिक्रमण

अतिक्रमण दल ने की प्रभावी कार्रवाई

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

नगरपालिका के अतिक्रमण दल द्वारा छोटी बजरिया स्थित एक पुराना अतिक्रमण हटाया गया है। विगत कई वर्षों से अतिक्रमण की शिकायत की जा रही थी। मस्जिद के पास हुए वक्फ बोर्ड की जमीन पर अतिक्रमण के कारण वहां के रहवासियों को दिक्कत आ रही थी। नगरपालिका की टीम द्वारा अतिक्रमण पर प्रभावी करने पर स्थानीय निवासियों ने आभार व्यक्त किया है।

अतिक्रमण दल प्रभारी सुनील राजपूत ने बताया कि नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देश पर नगर क्षेत्र से अतिक्रमण हटाया जा रहा है। आज छोटी बजरिया स्थित एक पुराने अतिक्रमण हटा दिया गया। सड़क पर वक्फ बोर्ड की जमीन पर अपनी मनमार्जी

से अतिक्रमण मकान बना लिया था जिससे वार्डवासियों को आवागमन में दिक्कत हो रही थी। आज नगरपालिका द्वारा उक्त अतिक्रमण को सख्ती से हटा दिया गया। सिटी मजिस्ट्रेट ब्रजेंद्र रावत और तहसीलदार देवशंकर धुर्वे द्वारा उक्त अतिक्रमण हटाने के विशेष निर्देश दिए गए थे। अतिक्रमण दल प्रभारी सुनील राजपूत ने बताया कि अतिक्रमण हटाने की मुहिम लगातार चलती रहेगी।

हरदा की शर्मा कॉलोनी में सड़क-नाली-पानी की समस्या

हरदा। हरदा नगर पालिका की शर्मा कॉलोनी में बुनियादी सुविधाओं के अभाव से परेशान महिलाएं मंगलवार को कलेक्टर से मिलीं और समस्याएं हल करने की मांग की। रहवासियों ने बताया कि कॉलोनाइजर ने 30 साल पहले सस्ते में प्लॉट बेच दिए, लेकिन न तो सड़क बनाई, न ही नाली और पानी की लाइन डाली। महिला पुष्पा बाई ने बताया कि पानी के लिए काफी दूर तक जाना पड़ता है। जिनके घर में बोरिंग है, वे भी पानी देने से मना कर देते हैं। वहीं, नर्मदी बाई ने कहा कि वोट मांगने के समय नेता हाथ जोड़कर समस्याएं सुलझाने का भरोसा देते हैं, लेकिन बाद में कॉलोनी को अवैध बताकर मुंह फेर लेते हैं। रहवासियों ने बताया कि बारिश के दिनों में कॉलोनी की सड़कों पर पानी भर जाता है, जिससे बच्चों को गंदे पानी से होकर स्कूल जाना पड़ता है।

माखन नगर निवासी कुरेशा बी को मिला दिव्यांगजन पेंशन का लाभ

प्रशासनिक अधिकारियों का किया हृदय से धन्यवाद

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

दिव्यांगजन पेंशन योजना राज्य सरकार की एक महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा योजना है, जिसका उद्देश्य दिव्यांगजनों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना और उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर प्रदान करना है।

ऐसा ही मामला है नर्मदापुरम जिले के माखन नगर निवासी दिव्यांग महिला कुरेशा बी का जिन्हें दिव्यांगजन कल्याण पेंशन का लाभ तकनीकी बाधा – ई-केवाईसी (आधार सत्यापन) पूर्ण न होने के कारण प्राप्त नहीं हो पा रहा था, जिससे उन्हें आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

कुरेशा बी ने अपनी समस्या को लेकर संयुक्त कलेक्टर एवं उपसंचालक, सामाजिक न्याय एवं निशक्तजन कल्याण विभाग, श्रीमती संपदा सराफ को आवेदन प्रस्तुत किया। विभाग ने इस आवेदन पर संवेदनशीलता दिखाते हुए त्वरित कार्यवाही की, और उनका ई-केवाईसी पूर्ण कर उन्हें योजना का लाभ फिर से उपलब्ध कराया गया।

पेंशन मिलने पर कुरेशा बी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सामाजिक न्याय एवं निशक्तजन कल्याण विभाग सहित प्रशासनिक अधिकारियों का हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि समय पर की गई इस सहायता से उन्हें आर्थिक रूप से बहुत राहत मिली है।

राजस्व विभाग में बड़े स्तर पर स्टाफ का तबादला

हरदा में 2 राजस्व निरीक्षक और 25 पटवारियों को नई जगहों पर भेजा

हरदा ■ निसं

मध्यप्रदेश सरकार की नई तबादला नीति के तहत हरदा जिले में राजस्व विभाग के कर्मचारियों के तबादले किए गए हैं। कलेक्टर सिद्धार्थ जैन ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। नई नीति के अनुसार, किसी भी पटवारी को उसकी गृह तहसील में नहीं रखा जा सकता है। इसी के तहत राजस्व निरीक्षक आनंद तिवारी को हरदा से टिमरनी और धर्मेंद्र सोलंकी को टिमरनी से हरदा स्थानांतरित किया गया है।

लंबे समय से एक ही हल्का-तहसील में कार्यरत थे: तबादला सूची में शामिल अधिकतर पटवारी लंबे समय से एक ही हल्का या तहसील में कार्यरत थे। प्रदेश स्तर पर चल रहे तबादलों के इस अभियान में सैकड़ों पटवारियों के स्थानांतरण किए जा रहे हैं। यह कदम प्रशासनिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए उठाया गया है।

तेंदुआ के हमले के बाद एसटीआर ने लगाया पिंजरा

गांव में हो रही गश्त, चार कैमरे भी लगाएं; 8 लाख की सहायता दी

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के सिंगानामा में 7 साल के बालक की तेंदुआ के हमले से मौत के बाद फॉरेस्ट विभाग अलर्ट हो गया है। एसटीआर ने कटियाढाना रोड पर पीड़ित परिवार के घर के पास पिंजरा लगाया है। उस पिंजरे में बकरी को रखा है, ताकि तेंदुआ आएं और पिंजरे में फंस जाए। इसके अलावा विभाग ने चार कैमरे लगाएं और गश्ती बढ़ा दी है। गांव में मुनादी कराई जा रही। किसी को भी रात में अकेले नहीं जाने की सलाह दी जा रही है। रात में फॉरेस्ट की टीम सिंगानामा और आसपास के क्षेत्रों में दिन-रात गश्त कर रहे।

8 लाख की सहायता राशि, चौकीदारी पद पर रखेंगे: एसडीओ संजीव शर्मा ने बताया वन्यप्राणी के हमले से मौत मामले में 8 लाख रुपए की सहायता राशि का प्रावधान है। 7 साल के बालक प्रहलाद इरपाचे की मौत के मामले में उसके पिता को 8 लाख रुपए मुआवजा राशि बैंक खाते में ट्रांसफर कर दी है। साथ ही दैनिक वेतन पर चौकीदार पद पर उसके पिता को नौकरी पर रखेंगे।

आंगन में खेलते समय मारा झपटा, पत्थर मारकर छुड़ाया था:

कटियाढाना रोड पर खेत में भगतराम ईरपाचे के परिवार के तीन मकान बने है। रविवार शाम करीब सात बजे प्रहलाद इरपाचे घर के बाहर खेल रहा था। इसी बीच तेंदुए ने बच्चे को पकड़ लिया। चीखने की आवाज सुनकर मां शीला बाई, पिता भगतराम और अन्य परिजन घर से बाहर आए। हिम्मत दिखाकर किसी तरह तेंदुए से बच्चे को छुड़ाया। परिजन बच्चे को लेकर नजदीकी मटकुली गांव पहुंचे। यहां से डिप्टी रेंजर पंकज यादव की टीम ने प्रहलाद को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉ. देवेंद्र ठाकुर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सोमवार को पिपरिया अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के बाद शव का अंतिम संस्कार गांव में हुआ था।

संबल योजना के तहत

जिले के 192 हितग्राहियों को 4.26 लाख की सहायता राशि अंतरित

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा जबलपुर जिले के ग्राम बेलखेड़ा (बरगी) में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री जनकल्याण (संबल) योजना की अनुग्रह सहायता योजना के हितग्राहियो को सिंगल क्लिक द्वारा डी0बी0टी0 के माध्यम से नर्मदापुरम जिले में 192 हितग्राहियो को 4,26,00,000/- रुपये की राशि वितरित की गई है।

जिसमें जनपद पंचायत माखननगर, जनपद पंचायत बनखेडी, जनपद पंचायत नर्मदापुरम, जनपद पंचायत केसला, जनपद पंचायत पिपरिया, जनपद पंचायत सिवनीमालवा, जनपद पंचायत सोहागपुर, नगर पालिका नर्मदापुरम, नगर पालिका इटारसी, नगर पालिका पिपरिया, नगर पालिका सिवनीमालवा, नगर पालिका माखननगर, नगर पालिका बनखेडी, नगर पालिका सोहागपुर, पचमढी केन्ट के कुल 192 हितग्राहियो को 4,26,00,000/- रूपये की राशि का भुगतान किया गया है। कार्यक्रम का प्रसारण एनआईसी कक्ष में किया गया है, जिसमें नर्मदापुरम नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती नीतू महेन्द्र यादव, नर्मदापुरम जनपद अध्यक्ष भूपेन्द्र चौकसे, श्रम पदाधिकारी श्रीमती वर्षा इरपाचे, श्रम निरीक्षक सुश्री सरिता साहू एवं श्रीमती ज्योति पी.ए. उपस्थित रहे।

श्री समर्पण श्री संस्था ने 12 सूत्री मांगों को लेकर सीएमएचओ को दिया ज्ञापन

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

आज सीएमएचओ कार्यालय में श्री समर्पण श्री विगत कुछ महीनों से अस्पताल की व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए संघर्ष करती आ रही है, जिसके लिए श्री समर्पण श्री ने पूर्व सीएमएचओ एवं जिला प्रशासन को भी ज्ञापन और अपने आंदोलनों के माध्यम से अवगत कराया है लेकिन पूर्व सीएमएचओ एवं प्रशासन के कान में जू नहीं रेंगी थी तब जाकर श्री समर्पण श्री को खुले तौर पर सीएमएचओ एवं जिला प्रशासन के विरुद्ध चरणबद्ध आंदोलन करने पड़े थे। चूंकि आप ने अभी तत्काल में सीएमएचओ का प्रभार ग्रहण किया है इसलिए आपको इस ज्ञापन के माध्यम से जिला अस्पताल में हो रही अनियमितता को दूर करने के लिए अवगत कराया जा रहा है कृपया बिंदुवार इन जनहित की समस्याओं को दूर करने का आप प्रयास करेंगे ऐसी आशा है।

■ आईसीयू का संचालन तत्काल प्रारंभ किया जावे।

■ चूंकि कोविड की दस्तक पुन: हो गई है इसलिए अस्पताल में बंद ऑक्सीजन प्लांट को तत्काल प्रारंभ किया जावे।

■ जिला अस्पताल में आवारा कुत्ते एवं मवेशी घूमते देखे जाते है तत्काल इन्हें प्रांगण से बाहर किया जावे।

■ साफ सफाई जिला अस्पताल का

एक बड़ा मुद्दा है जिला केंद्र होने के बाद भी साफ सफाई नदारत है।

■ स्टाफ की कमी हमेशा रहती है उसे पूरा किया जावे।

■ देखने में आया है कि ब्लड जांच की रिपोर्ट 10 दिन में भी मरीजों को प्राप्त नहीं हो रही है जो चिंता का विषय है एवं मरीज की जान से भी खिलवाड़ है।

■ वेंटिलेटर जैसी सुविधा भी तत्काल प्रारंभ की जावे।

■ सबसे बड़ा मुद्दा स्टाफ का व्यवहार है, स्टाफ का व्यवहार मरीजों के प्रति ठीक नहीं रहता है जिससे आए दिन विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है।

■ पार्किंग की मनमानी वसूली पर रोक लगे।

■ ड्यूटी डॉ ड्यूटी के समय अस्पताल में उपस्थित रहे न कि उनके निजी क्लीनिक में।

■ समय समय पर आपके द्वारा जिले में संचालित निजी अस्पतालों का भी निरीक्षण किया जावे जिससे मरीज निजी अस्पतालों की लूट से बच सके।

■ अक्सर देखा गया है कि निजी अस्पताल बिना पैथोलॉजिस्ट के ही ब्लड रिपोर्ट एवं अन्य रिपोर्ट मरीजों को देते है एवं उनसे भारीभरकम रकम वसूल करते है इस मनमानी पर भी रोक लगे

इसके अलावा भी अगर कोई मुद्दे संज्ञान में आते है तो श्री समर्पण श्री आपको तुरंत अवगत कराएगी। चूंकि आपने अभी पदभार ग्रहण किया है इसलिए आपसे आशा है कि 60 दिनों के अंदर आप इन सब व्यवस्थाओं को दुरुस्त करेंगे जिससे आने वाले समय लोग आपके कार्यकाल को याद रख सके। स्वदेश सैनी, अंकित सैनी, दीपक मंद्रे, गौरव धानक, राव निगोटे, रोहन यादव, महेन्द्र मेषकर, नितेश मालवीय, ऋतिक मालवीय, धीरज वाधवानी, अंशराज सिंह राजपूत, आयन कुरैशी, साखा सिंह, संदीप मालवीय, अमन दोहरे, अमन चुटीले, राज खिलारे अनेक लोग मौजूद थे।

हरदा में कल से मूंग का पंजीयन:60 केंद्रों पर किसान करा सकेंगे रजिस्ट्रेशन

हरदा ■ निसं

मध्य प्रदेश के हरदा जिले में ग्रीष्मकालीन मूंग के उपार्जन के लिए इस वर्ष 60 पंजीयन केंद्र स्थापित किए गए हैं।यह पिछले साल की तुलना में 11 केंद्र अधिक हैं। पिछले वर्ष जिले में 49 पंजीयन केंद्र थे। 19 जून से मूंग का पंजीयन शुरू होने जा रहा है। उप संचालक कृषि जवाहरलाल कास्दे के अनुसार, किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए केंद्रों की संख्या बढ़ाई गई है। जिन किसानों ने गेहूं और चना फसल के लिए पहले पंजीयन कराया था, वे उसी पंजीयन का नवीनीकरण करा सकते हैं।

ऋण पुस्तिका-आधार कार्ड लाना जरूरी होगा: पंजीयन के लिए किसानों को कुछ जरूरी दस्तावेज लेकर आना होगा। इनमें ऋण पुस्तिका या बही, आधार कार्ड, समग्र आईडी, बैंक पासबुक शामिल हैं। ओटीपी के लिए मोबाइल फोन भी साथ लाना होगा।

खोट या सिकमी पर कृषि भूमि लेने वाले किसानों को 500 रुपए के स्टांप पर खोटनामा भी लाना होगा। कृषि विभाग ने किसानों से निर्धारित समय में पंजीयन कराने की अपील की है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा प्रभा काम्पलेक्स के पास, मीनाक्षी चौक, आई.टी.आई. रोड, होशंगाबाद से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9827054436 भोपाल कार्यालय : 4240007.
डाक पंजीयन - MP/HSD04/2023-2025 व्यवस्थापक- डी.सी. पारे, मो. 8878623331 Email: amritdarshan@yahoo.com (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।